सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 224, नई दिल्ली । बुधवार, 23 अक्टूबर 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

जीवन में जिसने अपनी जीभ को संभालना सीख लिया, वो जीवन को भी संभाल लेगा, क्योंकि जीभ का स्वाद स्वास्थ्य खराब करता है और वाणी संबंध खराब कराती है।

03 बढ़ते प्रदूषण को लेकर एक्शन में दिल्ली सरकार

06 : त्योहार समारोह पारंपरिक से डिजिटल तक

08 मां गजलक्ष्मी पूजा का पालन महुल गांव में पालन हुआ

दिल्ली में परिवहन विभाग की सख्ती; नहीं है पीयूसीसी तो बनवा लें, अन्यथा 10 हजार के चालान के लिए रहें तैयार

संजय बाटला

दिल्ली में वायु प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए परिवहन विभाग ने सख्त कदम उठाए हैं। बिना प्रदूषण नियंत्रण (पीयूसी) प्रमाणपत्र वाले वाहनों पर अब 10 हजार रुपये तक का चालान किया जाएगा। विभाग ने अपनी प्रवर्तन विंग को मजबूत किया है और सड़कों पर 84 टीमें तैनात की। ये टीमें बिना पीयूसी वाले वाहनों के साथ ही उम्र पूरी कर चुके पेट्रोल-डीजल वाहनों पर भी कार्रवाई करेंगी।

नई दिल्ली। दिल्ली में वायु प्रदूषण बढ़ रहा है। यदि वाहनों से होने वाले प्रदूषण पर ध्यान नहीं दिया गया तो स्थिति और खराब होगी। इसे ध्यान में रखकर दिल्ली सरकार ने प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के खिलाफ पिछले सप्ताह से अभियान शुरू कर कर दिया है।

परिवहन विभाग ने अपनी प्रवर्तन विंग को मजबूत करने के लिए इनोवा कार और मोटरसाइकिल को शामिल किया है। विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बाइक पेट्रोलिंग टीमें पेट्रोल पंपों पर भी वाहनों की औचक जांच कर बगैर प्रदूषण नियंत्रण (पीयूसी) प्रमाणपत्र वाले वाहनों के चालान काटेंगी।

बगैर पीयूसी प्रमाणपत्र वाले वाहनों पर कार्रवाई

बता दें कि परिवहन विभाग ने बगैर पीयूसी प्रमाणपत्र वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई तेज करने के फिर निर्देश दिए हैं। विभाग ने साफ कहा है कि इस मामले में लापरवाही करने वालों को छूट नहीं मिलेगी और बगैर पीयूसी प्रमाणपत्र वाले वाहनों पर कार्रवाई होगी। इसलिए ऐसे लोगों को सलाह है कि जिनके वाहनों के पीयूसी प्रमाणपत्र नहीं हैं, वे बनवा लें अन्यथा 10 हजार का चालान भुगतने के लिए तैयार रहें।

ग्रैप का दूसरा चरण लागू हो गया

परिवहन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ग्रैप का दूसरा चरण लागू हो गया है और प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के खिलाफ हम लोग कार्रवाई तेज करने जा रहे हैं। करीब 84 टीमें सडक़ों पर उतारी गई हैं। वैध पीयूसी के बिना चलने वाले वाहनों पर कार्रवाई के अलावा उम्र पूरी कर चुके पेट्रोल व डीजल के पुराने वाहनों को जब्त करने पर भी फोकस रहेगा।

10 हजार का जुर्माना या 6 माह की सजा

अब तक उम्र पूरी कर चुके 59 लाख वाहनों का पंजीकरण रद किया जा चुका है। वाहनों के पास वैध पीयूसी नहीं होने पर 10 हजार का जुर्माना या 6 माह की सजा निर्धारित है। या फिर चालान और सजा दोनों भी हो सकते हैं। इसके अलावा माह तक के लिए ड्राइविंग लाइसेंस भी निरस्त किया जा सकता है।

प्रवर्तन विंग द्वारा जगह-जगह अपने दस्तों को तैनात

परिवहन विभाग की योजना के अनुसार मोटर वाहन अधिनियम से संबंधित विभिन्न प्रविधानों के उल्लंघन को रोकने के लिए परिवहन विभाग के प्रवर्तन विंग द्वारा जगह-जगह अपने दस्तों को तैनात किया गया है। नियम तोड़कर भागने की कोशिश करने वालों को मोटरसाइकिल की सहायता से आसानी से पकड़ा जा सकेगा। ये मोटरसाइकिलें सड़कों पर रहेंगी। इन पर 2-2 कर्मचारी तैनात रहेंगे।

नियमों का उल्लंघन करने वालों का चालान

जिनके पास नियमों को तोड़ने वालों का चालान काटने का अधिकार होगा। इसी तरह सड़कों पर उतारी जाने वाली इनोवा कारें भी सड़कों पर एक जगह नहीं खड़ी होंगी और सडक़ों पर मूवमेंट में रहेंगी और नियमों का उल्लंघन करने वालों का चालान काटेंगी। वर्तमान में एक प्रवर्तन दल में चार कर्मी शामिल हैं और प्रत्येक टीम के एक सदस्य को कम करके टीमों की संख्या बढ़ाई जाएगी।

300 सर्विस स्टेशनों पर भी पीयूसीसी जारी

इस समय 360 पेट्रोल पंपों और 300 सर्विस स्टेशनों पर भी पीयूसीसी जारी किए जा रहे हैं। इसके अलावा डीटीसी के भी 39 कार्यालय हैं, जहां पर डीटीसी बसों के लिए पीयूसी प्रमाणपत्र जारी होता है।मगर लोग लापरवाही कर रहे हैं जो ठीक नहीं है। जबकि विभाग की ओर से उन्हें मैसेज भी भेजा जा रहा है कि अपना पीयूसी प्रमाणपत्र बनवा लें, उन्हें बताया जाता है कि किस दिन उनका पीयूसीसी समाप्त हो रहा है।

82 लाख दिल्ली में कुल वाहनों की संख्या

51 लाख से अधिक दो पहिया वाहनों की संख्या
20 लाख से अधिक चार पहिया वाहनों की संख्या
11 लाख अन्य वाहन

हरियाणा में नई सरकार बनते ही महंगाई का डोज, एक नवंबर से मासिक पास के किराए में बढ़ोतरी का फैसला

पलवल के निवासियों के लिए बुरी खबर है। नई सरकार बनने के साथ ही गदपुरी टोल प्लाजा ने मासिक पास में 140 रुपये की बढ़ोतरी कर दी है। अब लोगों को पहले से ज्यादा किराया देना होगा। स्थानीय लोग इस बढ़ोतरी से नाराज हैं और विरोध कर रहे हैं। 31 अक्टूबर की रात्रि 12 बजे से अब लोगों को 340 प्रति माह का रिचार्ज करना होगा।

पलवल। प्रदेश में चुनाव समाप्त होने के बाद नई सरकार के गठन के साथ ही पलवल के निवासियों को गदपुरी टोल प्लाजा ने मासिक पास में 140 रुपये की वृद्धि कर दी है। पलवल-फरीदाबाद नई दिल्ली के साथ ही अन्य क्षेत्रों के निजी वाहनों के लोगों को गदपुरी स्थित टोल प्लाजा क्रास करने को लेकर अब ज्यादा मासिक किराया देना पड़ेगा। हालांकि पहले मासिक पास का किराया 200 रुपये था जो अब बढ़ाकर 340 रुपये कर दिया गया है। गदपुरी टोल प्लाजा कंपनी की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि 31 अक्टूबर की रात्रि 12 बजे से निजी वाहन चालक जो मासिक पास कराया के दायरे में आते हैं, उन्हें अब 340 प्रति माह का रिचार्ज करना होगा। स्थानीय लोग टोल टैक्स बढ़ने से नाराज है। लोगों का कहना है कि जब सुरक्षा के इंतजाम नहीं हैं तो टोल टैक्स क्यों बढ़ाया जा रहा है?

एक अप्रैल को टोल में हुई थी 10 रुपये की बढ़ोतरी

राजमार्ग प्राधिकरण इससे पहले एक अप्रैल को टोल की दरों में पांच से 10 रुपये की बढ़ोतरी कर चुकी है, लेकिन उस समय राजनीतिक दलों तथा लोगों के विरोध को देखते हुए टोल पास की दर नहीं बढ़ाई थी। अब एक नवंबर से बढ़ाई जा रही दरों के हिसाब से टोल पास बनवाना होगा। मासिक पास के दायरे गांव बघौला, अगवानपुर, आल्हापुर, पलवल, नया गांव, अलावलपुर, मांदकौल, देवली, मीरापुर, फिरोजपुर, सीकरी, झाड़सेतली, बल्लभगढ़ सहित टोल प्लाजा से 20 किलोमीटर परिधि में आने वाले शहर, कस्बों तथा गांव शामिल हैं।

पहले भी टोल की दरों को कम करने का हुआ था विरोध

बता दें कि टोल शुरू होने से पहले पलवल और स्थानीय लोगों ने मिलकर एक महीने तक टोल को लोगों ने चलने नहीं दिया था। बाद में टोल से 20 किलोमीटर के क्षेत्र में रहने वाले वाहन चालकों के लिए राजमार्ग प्राधिकरण और टोल कंपनी के बीच 340 रुपये के बजाय 200 रुपये का मासिक पास बनवाने तथा आसपास के पांच किलोमीटर के गांवों के लोगों के लिए फ्री पास की सुविधा देने पर धरना समाप्त हुआ और टोल शुरू किया गया।

दिल्ली मेट्रो के यात्रियों के लिए गुड न्यूज, प्रदूषण बढ़ते ही DMRC ने लिया बड़ा फैसला

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली एनसीआर में वायु प्रदूषण बढ़ने के बीच दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (डीएमआरसी) ने बड़ा एलान किया है। डीएमआरसी ने अब दिल्ली मेट्रो के 40 अतिरिक्त फेरे लगाने का एलान किया है। बता दें कि दिल्ली में प्रदूषण बढ़ने के कारण ग्रेप-2 लागू हो गया है। लोगों को आवागमन के लिए सार्वजनिक परिवहन का अधिक इस्तेमाल के प्रति करने प्रेरित करने के लिए डीएमआरसी ने यह फैसला किया है।

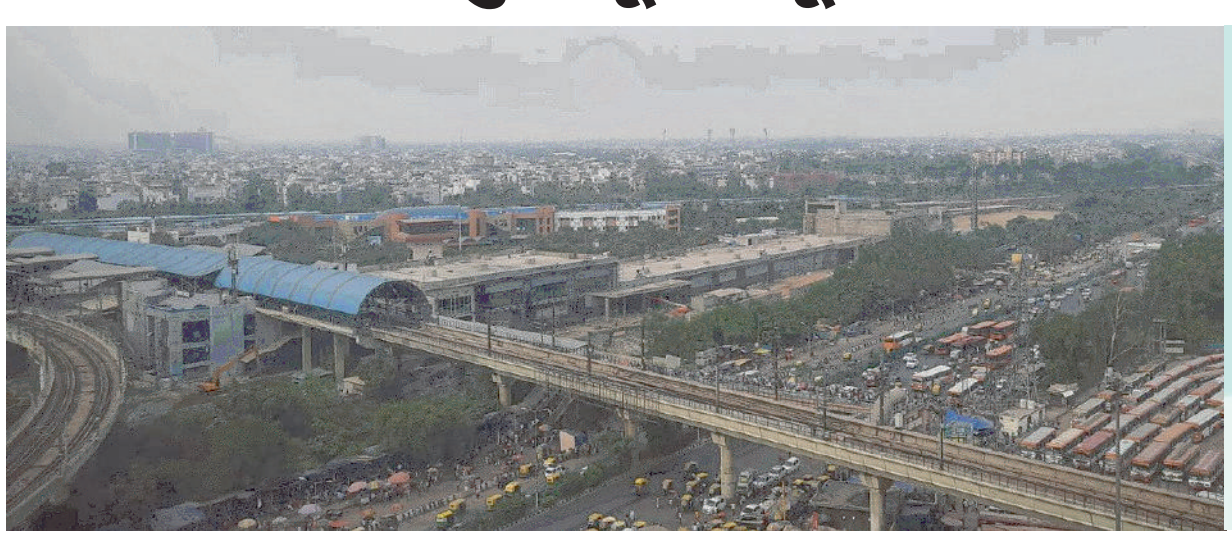

नई दिल्ली। राजधानी में वायु प्रदूषण बढ़ने के कारण ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप)-दो के प्राविधान लागू हो गया है। इस वजह से अब दिल्ली में मेट्रो के फेरे भी बढ़ेंगे। इसलिए मेट्रो प्रतिदिन 40 फेरे अतिरिक्त लगाएगी। ताकि लोग आवागमन के लिए मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल अधिक कर सकें। जिससे सड़कों पर वाहनों का दबाव कम हो सके।

वायु प्रदूषण पर लगाम लगाने में मिलेगी मदद

उल्लेखनीय है कि दिल्ली के वायु प्रदूषण में वाहनों से निकलने वाले धुएं की हिस्सेदारी अधिक होती है। सड़कों पर वाहनों के दबाव के कारण लगने वाला यातायात जाम के कारण भी प्रदूषण फैलता है। इसके मद्देनजर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने मेट्रो के फेरे बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। ताकि अपने निजी वाहन को छोड़कर लोग सफर के लिए मेट्रो का अधिक से अधिक इस्तेमाल कर सके।

अभी मेट्रो प्रतिदिन 4200 फेरे लगाती है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (डीएमआरसी) ने पिछले दिनों कहा था कि ग्रेप-2 लागू होने पर मेट्रो प्रतिदिन 40 फेरे अतिरिक्त लगाएगी। इसके तहत अब जल्द ही यह व्यवस्था शुरू कर दी जाएगी।

दिल्ली-NCR में ग्रेप-2 लागू

जनता को राहत के लिए बड़ा फैसला

दिल्ली में आज यानी 22 अक्टूबर से ग्रेप का दूसरा चरण लागू हो गया है। इसके साथ ही जहां कुछ पाबंदियां लोगों पर बढ़ी हैं, वहीं जनता को राहत देने के लिए और निजी वाहनों का प्रयोग हतोत्साहित करने के लिए मेट्रो के फेरे भी बढ़ा दिए गए हैं।

मेट्रो के फेरे कम रहेंगे तो लोगों को परेशानी होगी और उन्हें लंबी-लंबी लाइनों में खड़े होकर घंटों अपनी बारी का इंतजार करना पड़ेगा। मेट्रो फेरे अधिक होने से इन परेशानियों से बचा जा सकेगा।

सिर्फ प्रदूषण ही नहीं डीएमआरसी ने लोगों से त्योहारों के समय में सड़क के जाम से भी बचने के लिए मेट्रो इस्तेमाल करने की अपील की थी।

ग्रेप-2 में बढ़ जाएंगे 40 फेरे

डीएमआरसी के अनुसार मेट्रो रोजाना करीब 4200 फेरे लगाती है। ग्रेप दो के प्रतिबंध लागू होने पर मेट्रो प्रतिदिन 40 फेरे अतिरिक्त लगाएगी।

GRAP-2 के तहत ये पाबंदियां लागू

- डीजल जनरेटर पर रोक: कमर्शियल और इंडस्ट्रियल यूज पर पाबंदी।
- पार्किंग शुल्क बढ़ाना: निजी वाहनों का यूज कम करने के लिए नए निर्देश।
- पब्लिक ट्रांसपोर्ट बढ़ाना: CNG, इलेक्ट्रिक बसों और मेट्रो के फेरे बढ़ाने के आदेश।
- इमरजेंसी सेवाओं को छूट: डीजल जनरेटर का यूज केवल इमरजेंसी के लिए।
- निर्माण कार्य पर रोक: जनवरी तक धूल उत्पन्न करने वाले कार्यों पर पाबंदी।
- जलाने पर पाबंदी: खुले में लकड़ी या कूड़ा जलाने की मनाही।

एयर इंडेक्स 300 से अधिक बेहद खराब श्रेणी में पहुंचने पर ग्रेप दो के प्रतिबंध लागू हुए हैं।

कुल 60 फेरे अधिक लगाएगी मेट्रो

इस तरह मेट्रो हर वर्किंग डे के दिन 40 फेरे अतिरिक्त लगाएगी। बता दें कि मेट्रो ग्रेप-1 के लागू होने के कारण पहले ही 20 फेरे अधिक लगा रही है। ऐसे में अब मेट्रो कुल 60 फेरे अधिक लगाएगी।

नमो भारत के एक साल पूरे, 40 लाख से ज्यादा यात्रियों ने किया सफर; पहले चरण में 17 KM चली थी ट्रेन

परिवहन विशेष न्यूज

नमो भारत ने अपने परिचालन का एक वर्ष पूरा कर लिया है। इस एक साल के दौरान 40 लाख से अधिक यात्रियों ने इस ट्रेन में सफर किया है। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने सोमवार को नमो भारत ट्रेन में यात्रा की और यात्रियों से फीडबैक लिया। कांवड़ यात्रा के दौरान इस ट्रेन में सबसे अधिक यात्रियों की संख्या दर्ज की गई।

साहिबाबाद। नमो भारत ट्रेन के परिचालन का सोमवार को एक वर्ष पूरा हो गया। एक वर्ष में नमो भारत ट्रेन में 40 लाख से अधिक यात्रियों ने यात्रा की है।

धूमधाम से मनाई वर्षगांठ

नमो भारत ट्रेन परिचालन का एक वर्ष होने के उपलक्ष्य में एनसीआरटीसी ने स्कूली बच्चों को यात्रा कराई। ट्रेन में बच्चों ने खूब मस्ती की। स्टॉफ ने ढोल की थाप, चॉकलेट और स्मृति चिह्न देकर यात्रियों का स्वागत किया। सभी स्टेशनों को सजाया गया।

एक वर्ष में इस तरह तय हुआ 42 किलोमीटर का सफर

20 अक्टूबर 2023 को नमो भारत ट्रेन का पहले चरण में हुआ था उद्घाटन

पहले चरण साहिबाबाद से दुहाई डिपो के बीच 17 किलोमीटर ट्रेन चली।

छह मार्च 2024 को दुहाई से मोदीनगर नार्थ के बीच दूसरा चरण शुरू हुआ।

दूसरे चरण में दुहाई से मोदीनगर नार्थ तक 17 किलोमीटर का दायरा था।

18 अगस्त 2024 को मेरठ साउथ नमो भारत स्टेशन संचालित किया गया।

वर्तमान में नमो भारत ट्रेन 42 किलोमीटर की यात्रा तय कर रही है।

साहिबाबाद से मेरठ साउथ तक नौ स्टेशनों के बीच ट्रेन चल रही है।

साहिबाबाद से न्यू अशोक नगर खंड को जोड़ने के लिए ट्रायल चल रहा है।

इसके बाद कुल 54 किलोमीटर के दायरे में यह ट्रेन चलेगी।

जून 2025 तक 82 किलोमीटर के इस कॉरिडोर काम पूरा हो जाएगा।

यात्री एक घंटे से भी कम समय में दिल्ली से मेरठ की यात्रा कर सकेंगे।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने किया सफर

नमो भारत ट्रेन के परिचालन को एक साल होने पर आवासन और शहरी कार्य एवं ऊर्जा मामले के केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने नमो भारत ट्रेन में साहिबाबाद स्टेशन से गुलधर तक यात्रा की।

उन्होंने ट्रेन की सुविधाओं के बारे में जाना। महिला ट्रेन ऑपरेटरों से बातचीत की। यात्रियों से फीडबैक लिया।

मनोहर लाल पहले आनंद विहार स्टेशन पहुंचे। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) के प्रबंध निदेशक शलभ गोयल ने उनका स्वागत किया। उन्होंने आनंद विहार स्टेशन के डिजाइन के बारे में जानकारी की।

इसके बाद वह सड़क के रास्ते साहिबाबाद नमो भारत स्टेशन पहुंचे। यहां वह नमो भारत ट्रेन में सवार हो गए। वह ट्रेन में बैठकर गुलधर स्टेशन तक गए। वहां से उसी ट्रेन से वापस साहिबाबाद स्टेशन आए। स्टाफ ने उन्हें लाइव माडल के साथ-साथ आगमेंटेड रियलिटी (एआर) और वर्चुअल रियलिटी (वीआर) के बारे में भी बताया।

कांवड़ यात्रा के दौरान अधिक थी यात्रियों की संख्या

कांवड़ यात्रा के दौरान नमो भारत ट्रेन में सबसे अधिक यात्रियों की संख्या दर्ज की गई। केंद्रीय मंत्री ने महिला ट्रेन ऑपरेटरों से बातचीत की। उन्होंने ट्रेन में यात्रियों से भी बातचीत की और फीडबैक लिया। ट्रेन में सुविधाएं और इसकी गति आदि के बारे में जाना। इस दौरान नमो भारत स्टेशनों के बाहर से लेकर अंदर तक कड़ी सुरक्षा रही।

खट्टर ने तमिल भाषा में की बात

नमो भारत ट्रेन के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पुनीत वत्स ने बताया कि केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने नमो भारत स्टेशन पर एआइ ट्रांसलेटर मशीन का परीक्षण किया। किसी भाषा में इस मशीन के सामने बोलकर टिकट या पूछताछ कर सकते हैं।

इसके बाद भाषा हिंदी व अंग्रेजी में बदल जाती है। ऐसे में मनोहर लाल ने तमिल भाषा बोलकर उसका परीक्षण किया। हालांकि वह ठीक से काम नहीं कर पाया। ऐसे में मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि यह ठीक से काम नहीं करा है। भाषा को ठीक से ट्रांसलेट नहीं कर रहा है।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)
TOLWA
website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

खांस-खांसकर छिल गया है गला, तो 5 घरेलू नुस्खे दिलाएंगे तुरंत आराम!

इन दिनों हर कोई सूखी खांसी से परेशान है! लगातार खांसने से न सिर्फ गला छिल जाता है बल्कि कई बार सीने में दर्द की समस्या से भी जूझना पड़ता है। अगर आपका भी आजकल कुछ ऐसा ही हाल है तो अब चिंता न करें। दरअसल यहां हम कुछ आसान और कारगर घरेलू उपाय (Sore Throat Remedies) लेकर आए हैं जो आपको इस परेशानी से जल्दी राहत दिला सकते हैं।

सर्दी का मौसम आते ही खांसी (Sore Throat) एक आम समस्या बन जाती है। हल्की-सी सर्दी लगने के बाद ही कई लोग खांसी-जुकाम से परेशान हो जाते हैं। सूखी खांसी से गला खराब होने और खाने-पीने में दिक्कत का सामना करना पड़ता है। इतना ही नहीं, बार-बार खांसने से नींद भी खराब होती है। ऐसे में, कफ सिरप (Cough Syrup) भी हमेशा कारगर नहीं होते और इनके ज्यादा सेवन से सेहत पर भी बुरा असर पड़ सकता है। ऐसे में, आज इस आर्टिकल में हम आपको ऐसे 5 कारगर घरेलू नुस्खों (Home Remedies For Cough) के बारे में बताएंगे जिन्हें अपनाकर खांसी-जुकाम से तुरंत राहत पाई जा सकती है। आइए जानें।

काली मिर्च और शहद

दिन में दो बार एक चम्मच शहद में 1-2 काली मिर्च मिलाकर चबाने से गले के बैक्टीरिया मर जाते हैं और छाती का बलगम भी साफ हो जाता है। इस आसान से नुस्खे से पाएं गले की खराश और सूखी खांसी की समस्या से जल्द से जल्द राहत पा सकते हैं।

गर्म पानी के गरारे

दिन में 4-5 बार गर्म पानी में नमक मिलाकर गरारे करने से गले की जलन कम होती है और खांसी में आराम मिलता है। बता दें, गले में जमा बलगम को बाहर निकालने के लिए भी बड़े-बुजुर्ग लंबे समय से इस घरेलू नुस्खे को अपनाने की सलाह देते आए हैं।

अदरक का इस्तेमाल

अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो गले की सूजन को कम करते हैं। लगातार हो रही सूखी खांसी को दूर करने के लिए आप अदरक की चाय पी सकते हैं या फिर कच्चा अदरक भी चबा सकते हैं।

शहद और नींबू

शहद और नींबू दोनों ही सूखी खांसी से आराम दिलाने में मदद करते हैं। इसके लिए आप एक चम्मच शहद में नींबू का रस मिलाकर दिन में 4-5 बार भी ले सकते हैं, क्योंकि इससे कोई नुकसान नहीं बल्कि फायदा ही होता है।

हल्दी वाला दूध

हल्दी में एंटी-ऑक्सीडेंट्स और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण मौजूद होते हैं जो सूखी खांसी और जुकाम में बहुत फायदेमंद होते हैं। ऐसे में, रात को सोने से पहले अगर आप गर्म दूध में हल्दी मिलाकर पीते हैं, तो भी गले में दर्द और खांसी की समस्या से आराम मिलता है।

वेट लॉस की कोशिश में लगे लोगों के लिए खुशखबरी!
भारत में जल्द लॉन्च होगी वजन घटाने वाली दवा

इन दिनों मोटापा एक गंभीर समस्या बन चुका है और दुनियाभर में कई लोग इससे प्रभावित है। यह कई स्वास्थ्य समस्याओं की वजह भी बन सकता है जिसकी वजह से कई लोग अपने वजन को कंट्रोल करने की कोशिश में लगे रहते हैं। हालांकि कई बार कड़ी मेहनत के बाद भी वजन कम नहीं होता है। ऐसे में जल्द ही भारतीय बाजार में Weight Loss ड्रग लॉन्च होने वाला है।

नई दिल्ली। मोटापा एक गंभीर समस्या है, जिससे दुनियाभर में कई लोग प्रभावित है। इन दिनों कई लोग इनएक्टिव लाइफस्टाइल को फॉलो कर रहे हैं, जिसकी वजह से वजन का बढ़ना एक आम समस्या बन गई है। मोटापा कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं की वजह बन सकता है और इस बारे में खुद वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन यानी WHO भी चेतावनी जारी कर चुका है। ऐसे में खुद को हेल्दी और फिट रखने के लिए कई लोग वेट कंट्रोल करने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाते हैं। हालांकि, कई बार कड़ी मेहनत के बाद भी वजन ठस का मस नहीं होता, जिसकी वजह से सारी मेहनत पानी में चली जाती है। ऐसे में अब वेट लॉस (Weight Loss) की कोशिश में लगे लोगों के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है।

अमेरिकी और यूरोपीय बाजारों में चर्चित ओजेम्पिक, जेपबाउंड जैसी वजन घटाने वाली दवाएं अब जल्द ही भारतीय बाजारों में दस्तक देने वाली है। इस सिलसिले में भारतीय ड्रग रेगुलेटर सेंट्रल ड्रग स्टेंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन (CDSCO) ने फार्मास्यूटिकल कंपनी 'ऐली लिली' के टिरजेपेटाइड (Tirzepatide) नामक वेट लॉस ड्रग को हरी झंडी दे दी है। यह एक्टिव इंग्रीडिएंट Eli Lilly की मशहूर दवाओं Mounjaro जो डायबिटीज के लिए है और Zepbound जो वजन घटाने के लिए है, में भी मौजूद होता है। पिछले साल अमेरिका के FDA ने वयस्कों में वजन बढ़ने की समस्या के लिए जेपबाउंड को मंजूरी दी थी।

भारतीय ड्रग रेगुलेटर की इस मंजूरी के बाद अब जल्द ही इस दवा की मेन्युफैक्चरर एली लिली भारतीय बाजार में अपने इस प्रोडक्ट को लॉन्च करेंगी। हालांकि, अभी इस दवाई के आयात और इसकी मार्केटिंग को डायबिटीज के लिए मंजूरी दी गई है, न कि वजन घटाने के लिए। CDSCO अभी मोटापे से इसके कनेक्शन की समीक्षा कर रहा है। लेकिन क्या टिरजेपेटाइड सच में वजन कम करने में कारगर है, अगर हां, तो यह कैसे काम करता है और इसके क्या साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं, इन सभी सवालों का जवाब जानेंगे आज इस आर्टिकल में।

टिरजेपेटाइड क्या है?

टिरजेपेटाइड एली लिली की दवाओं, मौन्जारो और जेपबाउंड का एक्टिव इंग्रीडिएंट है। हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि टिरजेपेटाइड शरीर में दो जरूरी हार्मोन्स- जीआईपी और जीएलपी-1 की तरह काम करता है।

कैसे वजन कम करता है टिरजेपेटाइड?

जब इसे इंजेक्ट किया जाता है, तो यह इन हार्मोन्स के लिए रिसेप्टर्स एक्टिव करता है, जिसके कई प्रभाव होते हैं। यह पैनक्रियाज को ज्यादा इंसुलिन प्रोड्यूस करने के लिए स्टीमूलेट करता है और ब्रेन को पेट भरा हुआ महसूस करने का संकेत भी देता है। इस तरह यह दवाई न सिर्फ ब्लड में शुगर के लेवल को कम करती है, बल्कि भूख भी कम करती है, जिससे मोटापे से पीड़ित लोग ज्यादा खाने से बचे रहते हैं।

वहीं, कुछ विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि टिरजेपेटाइड और भी ज्यादा प्रभावी इसलिए है, क्योंकि यह जीआईपी की नकल करता है, जो भूख को कम करने के साथ-साथ शरीर में शुगर और फैट को तोड़ने के तरीके में सुधार कर सकता है, जिससे वेट लॉस की प्रक्रिया में मदद मिलती है।

अध्ययनों में भी हुआ साबित

कुछ अध्ययनों से भी पता चलता है कि वजन घटाने के लिए टिरजेपेटाइड बहुत प्रभावी होता है। द न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन में जुलाई 2022 में पब्लिश हुए एक अध्ययन में पता चला कि टिरजेपेटाइड की कम डोज लेने वाले लोगों ने लगभग एक साल में लगभग 16 किलोग्राम वजन कम किया। वहीं, इसकी ज्यादा खुराक लेने वालों के वजन में 22 किलोग्राम की कमी आई।

क्या टिरजेपेटाइड के कोई साइड इफेक्ट्स हैं?

बात करें इसके साइड इफेक्ट्स की, तो एक अध्ययन से यह पता चलता है कि टिरजेपेटाइड से कई बार गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याएं हो सकती है। इसकी हाई डोज लेने वाले लगभग एक-तिहाई लोगों को मतली का अनुभव हुआ और पांच में से एक को दस्त का अनुभव हुआ। इसके अलावा इस दवा को लेने वाले कुछ लोगों ने पेट दर्द, उल्टी, कब्ज, सिरदर्द और चक्कर आने की भी शिकायत की।

इसके अलावा एफडीए के अनुसार, जेपबाउंड लेने वाले लोगों को डकार आना, बाल झड़ना और गैस्ट्रोएसोफेगल रिफ्लक्स डिजीज का भी अनुभव हो सकता है। साथ ही किसी प्रेग्नेंट महिला को यह दवा लेने से परहेज करना चाहिए। साथ ही एफडीए का यह भी कहना है कि इस दवा को लेने वाले लोगों में डिप्रेशन या सुसाइडल थॉट्स पर नजर रखी जानी चाहिए और इसके लक्षण नजर आने पर इस दवा को तुरंत बंद कर देना चाहिए।

कब तक भारतीय बाजार में आएगी दवा?

एली लिली के सीईओ डेविड रिक्स ने न्यूज एजेंसी रॉयटर्स को बताया था कि मौन्जारो 2025 की शुरुआत में भारत में लॉन्च हो सकती है। वहीं, नोवो नॉर्डिस्क 2026 तक भारत में अपनी वजन घटाने वाली दवा लॉन्च करने की योजना बना रही है। इस दवा की भारत में डिमांड बढ़ने की काफी संभावना है, क्योंकि यहां टाइप 2 डायबिटीज और मोटापे वाले लोगों की संख्या दुनिया में दूसरे स्थान पर है।

2023 में लैंसेट के एक अध्ययन में यह पता चला था कि देश में 101 मिलियन लोग यानी देश की आबादी का 11.4 प्रतिशत डायबिटीज का शिकार है। वहीं, देश में मोटापा भी तेजी से बढ़ रहा है। वर्ल्ड ओबेसिटी फेडरेशन एटलस के अनुसार, साल 2034 तक लगभग 11 प्रतिशत भारतीय वयस्क मोटापे से ग्रस्त होंगे।

स्वाद के साथ सेहत से भी भरपूर होता है सलाद, रोजाना खाने वाले लोग नहीं होते इन 5 समस्याओं से परेशान

सलाद सिर्फ स्वाद ही नहीं बल्कि सेहत (Healthy Lifestyle) का भी एक अनमोल खजाना है। चाहे आप वजन कम करना चाहते हों या फिर अपनी त्वचा को निखारना चाहते हों सलाद आपके लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि सलाद कैसे आपकी डाइट का एक अहम हिस्सा बनकर सेहत को कई तरह के फायदे (Green Salad Health Benefits) पहुंचा सकता है।

वजन घटाने से लेकर त्वचा की चमक बढ़ाने तक, रोजाना सलाद खाने के अनगिनत फायदे (Green Salad Benefits) होते हैं। ग्रीन सलाद में मौजूद विटामिन्स और मिनरल्स आपके शरीर को अंदर से मजबूत बनाते हैं। एक कटोरा हरा-भरा सलाद न सिर्फ आपकी थाली का स्वाद बढ़ाता है बल्कि शरीर में भी कई पोषक तत्वों की कमी को दूर करता है। बहुत से लोग इसे वेट लॉस (Salad For Weight Loss) का शानदार तरीका मानते हैं, लेकिन इसके फायदे सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं हैं। जी हां, सलाद में मौजूद फल और सब्जियां विटामिन्स, मिनरल्स और फाइबर से भरपूर होती हैं। आइए जानें कि रोजाना इसे खाना किस तरह गुणकारी साबित हो सकता है।

डाइजेशन को बनाए बेहतर

रोजाना सलाद खाने से न सिर्फ आपका डाइजेशन बेहतर होता है बल्कि आप पेट से जुड़ी कई अन्य समस्याओं से भी बचे रहते हैं। जिन लोगों को अक्सर कब्ज की शिकायत रहती है उन्हें भी सलाद खाने से काफी राहत मिल सकती है। फाइबर से भरपूर होने के कारण सलाद वेट लॉस में भी काफी प्रभावी होता है क्योंकि इसे खाने से आप ओवरईटिंग से बच जाते हैं जिससे वजन घटाने में काफी मदद मिलती है।

कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करे

सलाद में मौजूद फाइबर आपके शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल (LDL) को कम करके गुड कोलेस्ट्रॉल (HDL) को बढ़ावा देता है। इससे दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है। यही वजह है कि जो लोग रोजाना सलाद का सेवन करते हैं उन्हें इस समस्या से परेशान नहीं होना पड़ता है। इसके अलावा कई स्टडीज यह भी बताती हैं कि फाइबर से भरपूर आहार कैंसर से बचाव में भी मदद कर सकता है।

वेट लॉस में मददगार

ग्रीन सलाद में कैलोरी की मात्रा भी बहुत कम होती है, लेकिन इसमें फाइबर, विटामिन्स और मिनरल्स भरपूर मात्रा में होते हैं। सलाद में मौजूद फाइबर आपको लंबे समय तक फुल रखता है, जिससे आप बार-बार खाने की इच्छा महसूस नहीं करते हैं और धीरे-धीरे वजन कम करने में मदद मिलती है। अगर आप तेजी से वेट लॉस करना चाहते हैं, तो अपने दिन की शुरुआत एक कटोरी ताजे सलाद के साथ करें। यह आपके शरीर को कई जरूरी पोषक भी देगा और आप दिन भर एनर्जेटिक भी बने रहेंगे।

आंखों के लिए गुणकारी

सलाद में मौजूद पालक, गाजर, ब्रोकली, टमाटर और लाल शिमला मिर्च जैसे फूड आइटम्स विटामिन ए से भरपूर होते हैं। विटामिन ए आंखों की रोशनी के लिए बेहद जरूरी है। बता दें, ये सभी सब्जियां एंटीऑक्सीडेंट्स से भी भरपूर होती हैं, जो आंखों को फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाते हैं। रोजाना सलाद खाने वाले लोगों को मोतियाबिंद होने का खतरा कम होता है। अगर आप कंप्यूटर पर ज्यादा समय बिताते हैं या पढ़ाई करते हैं, तो सलाद का सेवन आपकी आंखों की थकान को दूर करने में मदद कर सकता है।

मांसपेशियों को बनाए मजबूत

गाजर और पालक जैसी सब्जियां प्रोटीन का अच्छा स्रोत होती हैं। प्रोटीन हमारी मांसपेशियों की ग्रोथ और इन्हें रिपेयर करने में बड़ा रोल प्ले करता है। ऐसे में, अगर आप भी रेलुलर वर्कआउट करते हैं तो रोजाना सलाद खाना आपके लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है, क्योंकि इसमें मौजूद प्रोटीन आपकी मांसपेशियों को मजबूत बनाने और उन्हें तेजी से रिकवर करने में मदद करता है।

बढ़ती उम्र थाम देंगे 5 असरदार उपाय, झुर्रियों और फाइन लाइन्स से भी मिलेगा छुटकारा

खूबसूरत दिखने की चाहत किसकी नहीं होती। लड़का हो या लड़की इन दिनों हर कोई खूबसूरत दिखने के लिए तमाम उपाय अपना रहा है। हालांकि बढ़ती उम्र को रोक पाना आज भी नामुमकिन है। ऐसे में बढ़ती उम्र (Tips to Limit Skin Aging) के कारण होने वाली झुर्रियों और फाइन लाइन्स से छुटकारा पाने के लिए आप कुछ उपाय (Tips to Prevent Wrinkles) अपना सकते हैं।

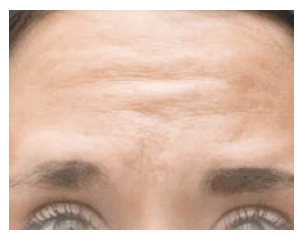

नई दिल्ली। खूबसूरत दिखने के लिए लोग काफी जतन करते हैं। खासकर लड़कियां अक्सर खूबसूरत दिखने के लिए हर एक चीज का खास ख्याल रखती हैं। अपने आउटफिट से लेकर अपने मेकअप तक का महिलाएं काफी ज्यादा ध्यान रखती हैं। ऐसे में अगर चेहरे पर झुर्रियां या फाइन्स लाइन्स आ जाए, तो कई लड़कियों के लिए यह किसी डरावने सपने की तरह होता है। ऐसे में अपनी स्किन का खास ख्याल रखना बेहद जरूरी है।

त्वचा में होने वाली झुर्रियों को रोकने के लिए अक्सर महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल किया जाता है। हालांकि, कुछ अन्य तरीके भी हैं, जिनकी मदद से आप अपने बढ़ती उम्र को थाम सकते हैं। आज इस आर्टिकल में हम आपको उन्हीं तरीकों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसकी मदद से आप आसानी से चेहरे की झुर्रियों और फाइन लाइंस से छुटकारा पा सकते हैं। आइए जानते हैं-

धूप से सुरक्षा जरूरी

विटामिन-डी का अच्छा सोर्स होने के बाद भी धूप आपकी सेहत त्वचा के लिए हानिकारक हो सकती है। ज्यादा देर धूप में संपर्क में रहने से न सिर्फ स्किन कैंसर का खतरा बढ़ता है, बल्कि झुर्रियों और फाइन लाइन्स का खतरा भी बढ़ता है। ऐसे में अपनी स्किन को ज्यादा से ज्यादा धूप से बचाकर रखें। इसके लिए टोपी, चश्मे और सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें और लंबी बाजू वाली शर्ट पहनें।

एलोवेरा जेल

एलोवेरा जेल अपने चमत्कारी गुणों की वजह से कई समस्याओं से राहत दिलाता है। झुर्रियां और फाइन लाइन्स इन्हीं समस्याओं में से एक है, जिससे दूर करने में एलोवेरा जेल काफी असरदार माना जाता है। एलोवेरा जेल स्किन के हाइड्रेशन को बढ़ावा देता है और कोलाजन प्रोडक्शन को बढ़ाता है। अगर आप झुर्रियां कम करना चाहते हैं, तो रोजाना त्वचा पर एलोवेरा जेल लगाएं और इसे 15 से 20 मिनट तक अपने चेहरे पर लगा रहने के बाद मुंह धो लें।

नारियल का तेल

कई सारे गुणों से भरपूर नारियल का तेल सिर्फ सेहत ही नहीं, त्वचा को भी फायदा पहुंचाता है। इसके लगातार इस्तेमाल से न सिर्फ त्वचा को हाइड्रेट होती है, बल्कि उसकी लोच में भी सुधार करता है। साथ ही यह फाइन लाइन्स और रिंकल्स की समस्या से भी राहत दिलाता है।

केले का मास्क

आप नेचुरल तरीके से रिंकल्स और फाइन लाइन्स कम करने के लिए केले के मास्क का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। केले में सिलिका होता है, जो आपके शरीर को कोलेजन को सिंथसाइज करने में मदद करता है, जो आपकी त्वचा, मांसपेशियों और हड्डियों के लिए महत्वपूर्ण है। इस मास्क को बनाने के लिए एक पके केले को मैश करें और इसे DIY फेस मास्क के रूप में 20 मिनट के लिए लगाएं और फिर धो लें।

शहद और दही का मास्क

शहद अपने औषधीय गुणों की वजह से स्किन के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। यह त्वचा को नमी देने के लिए अच्छा होता है। वहीं, दही त्वचा में लचीलापन बढ़ाने में मदद कर सकता है। ऐसे में सादे दही को शहद के साथ मिलाकर अपने चेहरे पर लगाएं। इसे अपने चेहरे पर 15 से 20 मिनट तक लगा रहने दें और फिर धो लें। चमकती त्वचा के लिए हफ्ते में एक बार इस होममेड फेस मास्क का इस्तेमाल करें।

पेट की लटकती चर्बी से पाना है हमेशा के लिए छुटकारा, तो रात की डाइट में करें ये जरूरी बदलाव

अनहेल्दी खानपान और खराब लाइफस्टाइल के कारण कई लोग बढ़ते वजन से परेशान हैं। अगर आप भी इसे कंट्रोल करने (reduce belly fat) के तरीके खोज रहे हैं तो यह आर्टिकल आपकी काफी मदद कर सकता है। दरअसल यहां हम आपको रात के खाने को बेहतर करने (nighttime diet) के कुछ ऐसे तरीके बताने जा रहे हैं जिन्हें अपनाकर झूलती चर्बी को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

नई दिल्ली। अगर आप बढ़ते वजन से परेशान हैं और बिजी लाइफस्टाइल के कारण नियमित रूप से एक्सरसाइज नहीं कर पा रहे हैं, तो अपनी डाइट पर ध्यान देना बेहद जरूरी है। खासतौर से जब बात रात के खानपान (nighttime eating habits) की आती है! जी हां, दिनभर की भागदौड़ के बाद पर्याप्त आराम और नींद लेना भी वजन घटाने में मददगार होता है। सेहत से जुड़े एक्सपर्ट्स बताते हैं कि तेजी से वजन घटाने के लिए रात की डाइट (nighttime diet) का ठीक होना बेहद जरूरी होता है। इस समय अपने आहार को संतुलित रखकर आप न सिर्फ आसानी से पेट की झूलती चर्बी को कम (reduce belly fat) कर सकते हैं बल्कि अपनी नींद को भी बेहतर बना सकते हैं। आइए विस्तार से समझें इसके बारे में।

वेट लॉस के लिए कैसी रखें रात की डाइट?

हेल्थ एक्सपर्ट्स मानते हैं कि रात का खाना वजन घटाने में खास भूमिका निभाता है। अगर आप वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं, तो दाल-चावल आपके लिए एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है। दाल-चावल में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और फाइबर भरपूर मात्रा में होते हैं जो आपको लंबे समय तक फुल रखते हैं और वजन घटाने में मदद करते हैं।

रात के खाने में दाल-चावल के साथ आप अपनी डाइट में पनीर और सलाद भी शामिल कर सकते हैं। इससे आपकी डाइट बैलेंस होने के साथ-साथ पौष्टिक भी बनेगी। इसके अलावा कार्ब्स के शौकीनों के लिए भी दाल-चावल एक बेहतरीन ऑप्शन है क्योंकि यह आपकी कार्बोहाइड्रेट की जरूरत को भी पूरा करते हैं। दाल-चावल खाने से आपको अच्छी नींद भी आती है और यह आपके पाचन तंत्र के लिए भी फायदेमंद होता है।

ध्यान रहे, वेट लॉस जर्नी में रोटी और चावल में से जब किसी एक को चुनने का सवाल खड़ा होता है, तो चावल को चुनना आपके लिए ज्यादा फायदेमंद रहता है। वजह है कि चावल में रोटी की तुलना में कम कैलोरी होती है और यह आसानी से पच भी जाते हैं। इसलिए, अगर आप वजन कम करना चाहते हैं, तो रात के खाने में दाल-चावल को शामिल करने के बारे में सोच सकते हैं।

वजन घटाने के लिए क्यों जरूरी हैं कार्ब्स?

कार्बोहाइड्रेट हमारे शरीर के लिए एनर्जी का मेन सोर्स होते हैं। कॉम्प्लेक्स कार्ब्स, जैसे कि साबुत अनाज, दालें और सब्जियां, सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। ये हमें लंबे समय तक एनर्जेटिक रखते हैं और पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में भी मदद करते हैं। आमतौर पर, वजन घटाने के लिए कार्ब्स को कम करने की सलाह दी जाती है, लेकिन रात के खाने में सही प्रकार के कार्ब्स को शामिल करने से वजन कम करने में मदद मिल सकती है।

कॉम्प्लेक्स कार्ब्स आपके मेटाबॉलिक रेट को बढ़ावा देते हैं और आपको लंबे समय तक फुल रखकर ओवरईटिंग से भी बचाते हैं। इसलिए, वजन घटाने के लिए आपको अपनी डाइट पर खास ध्यान देना चाहिए, खासकर रात के खाने पर। डॉक्टर्स भी यही बताते हैं कि एक बैलेंस नाइट टाइम डाइट न सिर्फ आपको वेट लॉस में मदद करती है बल्कि यह आपकी ओवरऑल हेल्थ को भी बेहतर बनाती है।

DCW से निकाली गई बहनों को भरोसा दिलाता हूं कि उन्हें नौकरी वापिस दिलवाऊँगा, चाहे कुछ भी करना पड़े- केजरीवाल

सुषमा रानी

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में बैठे भाजपा के एलजी द्वारा आदेश पारित करके दिल्ली महिला आयोग में कार्यरत संविदा कर्मचारियों को बर्खास्त करने के फैसले की कड़ी निंदा की है। 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने उन सभी कर्मचारियों के दर्द और तकलीफ को समझते हुए उन्हें भरोसा दिया है कि वह उनकी नौकरी वापस दिलाएं, चाहें इसके लिए उन्हें कुछ भी करना पड़े। वहीं, दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया का कहना है कि दिवाली से पहले इतने सारे लोगों की नौकरी छीन लेना, बैहद शर्मनाक और अमानवीय है, यह भाजपा की मानसिकता बताती है। भाजपा अपने भाषण और मेनिफेस्टो में नौकरी देने की बात करती है, लेकिन यह घटना बताती है कि असल मे वो लोगों की नौकरियां छीन रही है। यह कर्मचारी 30-30 सालों से शानदार काम कर रहे थे, इन्होंने कई महिलाओं की मदद की लेकिन भाजपा ने एक झटके में इन्हे निकाल दिया।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद कजेरीवाल ने ट्वीट करते हुए कहा कि मेरी जिन बहनों को दिल्ली महिला आयोग से निकला गया है, मैं उन्हें भरोसा दिलाता हूं कि उन्हें उनकी नौकरी वापिस दिलवाऊंगा, चाहे इसके लिए कुछ भी करना पड़े। वहीं,दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि भाजपा ने जिस तरह दिवाली से पहले सैकड़ों लोगों के घर उजाड़े और उनकी नौकरियां छीनी हैं, यह भाजपा द्वारा किया गया बड़ा पाप है। भाजपा अपने भाषणों और घोषणापत्र में नौकरियां देने की बात करती है, लेकिन 30-30 साल से संविदा पर काम कर रहे लोगों को इस तरह हटाना भाजपा के चरित्र को भले शोभा देता हो, पर दिवाली से पहले इतने लोगों की नौकरी छीनना बेहद शर्मनाक और अमानवीय है। यह घटना साफ बताती है कि भाजपा नौकरियों के खिलाफ है। वह सरकार में काम कर रहे लोगों को नौकरी से निकालने के पक्ष में रहती है। न केवल वह लोगों को रोजगार देने में असफल है, बल्कि जो लोग काम कर रहे हैं, उनकी भी नौकरियां छीन रही है। ये लोग शानदार काम कर रहे थे और किसी न किसी रूप में लोगों, खासकर महिलाओं की मदद कर रहे थे। ये आज से नहीं, बल्कि 30 साल से काम कर रहे थे, लेकिन भाजपा ने इन्हें एक झटके में नौकरी से निकाल दिया, वह भी दिवाली से ठीक पहले।

दोपहर 2 बजे इंडिया गेट 'गायब', दिल्ली में 'बेहद खराब' श्रेणी में एक्यूआई; इन चीजों के इस्तेमाल पर है पाबंदी

सुषमा रानी

दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण के साथ कई इलाकों में स्मॉग की चादर छाई हुई है। इस बीच मंगलवार दोपहर दो बजे कर्तव्य पथ पर स्मॉग और प्रदूषण के कारण इंडिया गेट ओझल हो गया। बीते सोमवार से राजधानी की हवा बेहद खराब श्रेणी में बनी हुई है। दोपहर दो बजे दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 207 दर्ज किया गया।

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण के साथ कई इलाकों में स्मॉग की चादर छाई हुई है। इस बीच, मंगलवार दोपहर दो बजे कर्तव्य पथ पर स्मॉग और प्रदूषण के कारण इंडिया गेट ओझल हो गया। बीते सोमवार से राजधानी की हवा 'बेहद खराब' श्रेणी में बनी हुई है। दोपहर दो बजे दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 207 दर्ज किया गया। वहीं, सुबह नौ बजे के करीब औसत एक्यूआई 317 रिकॉर्ड किया गया था।

दिल्ली-एनसीआर में ग्रेप-2 लागू

हवा की गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में पहुंचने के बाद आज मंगलवार सुबह आठ बजे से दिल्ली-एनसीआर में ग्रेप दो की पाबंदिया लगाई गई हैं। अगले कुछ दिनों तक प्रदूषण के स्तर में सुधार की कोई खास संभावना नहीं है।

इसके साथ ही राजधानी क्षेत्र में इमरजेंसी सेवाओं को छोड़कर डीजल जनरेटर के कमर्शियल और इंडस्ट्रियल इस्तेमाल पर रोक लगाई गई है। साथ ही खुले में लकड़ी और कूड़ा जलाने पर पाबंदी लगाई गई है।

इमरजेंसी सेवाएं जिन्हें प्रतिबंध से मिली है छूट

स्वास्थ्य सेवा, रेलवे, एस्केलेटर, ट्रेवलेटर, मेट्रो रेल, एयरपोर्ट, अंतरराज्यीय बस अड्डे, वाटर पंपिंग स्टेशन, सीवरेज शोधन संयंत्र, राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी परियोजनाएं व दूर संचार सेवाएं।

बता दें कि 0 से 50 के बीच का AQI अच्छा माना जाता है, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब, 401 से 450 के बीच गंभीर और 450 से ऊपर गंभीर माना जाता है।

कहां कितना है AQI?

स्थान	AQI
अशोक विहार	212
बवाना इंडस्ट्रियल एरिया	210
दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ टूल इंजीनियरिंग	233
जीटीबी नगर	227
आईटीआई जहांगीरपुरी	293
आईटीआई शाहदरा	273
लोनी	250
रोहिणी	228
प्रशांद विहार	235

(एक्यूआई का यह आंकड़ा दोपहर 2 बजे का है।)

आनंद विहार में सबसे ज्यादा है प्रदूषण

दिल्ली एनसीआर में जैसे ही सर्दियों की शुरुआत होती है वैसे ही लोगों को प्रदूषण बढ़ने की चिंता सताने लगती है। पिछले वर्ष आंकड़ों की बात करें तो आनंद विहार और उसके आसपास के इलाकों का एक्यूआई एक हजार से अधिक पहुंच गया था।

आनंद विहार और उसके आसपास के इलाकों की स्थिति पिछली साल ही ऐसी नहीं थी, बल्कि हर वर्ष कमोबेश यही रहती है। इसका पीछे के कारणों पर जाएं तो आनंद विहार से सटा हुआ गाजियाबाद का साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र साइट चार अहम भूमिका निभाता है। यहां पर फैक्ट्रियों से निकलना वाला धुआं प्रदूषण की स्थिति और अधिक गंभीर कर देता है।

केजरीवाल के खिलाफ दिल्ली भर में बीजेपी का प्रदर्शन

बीजेपी ने दिल्ली के सीएम आवास में उपलब्ध सुविधाओं को लेकर सोमवार को कई खुलासे किए थे। राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा था कि शीशमहल में कई ऐसी सुविधाएं है जो किसी जहांपनाह को भी नहीं मिलती होगी। पात्रा ने कहा था केजरीवाल के शीश महल में जो पर्दें लगे हैं उसमें बॉडी सेंसर रिमोर्ट कंट्रोल और मोटर ट्रैक लगे हैं।

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को पूरी दिल्ली में प्रदर्शन किया और आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल पर दिल्ली के मुख्यमंत्री पर अपने कार्यकाल के दौरान करदाताओं के पैसे को निजी सुख-सुविधाओं पर खर्च करने का आरोप लगाया।

भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि केजरीवाल ने 6 फ्लैग स्टाफ रोड स्थित अपने आधिकारिक आवास पर आलीशान वस्तुओं और आधुनिक सुविधाओं पर करोड़ों रुपये खर्च किए। दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद केजरीवाल ने इस महीने की शुरुआत में सिविल लाइंस में फ्लैग स्टाफ रोड स्थित बंगला खाली कर दिया था।

15 शौचालय की सीटें गायब: सचदेवा

फिरोजशाह रोड स्थित केजरीवाल के मौजूदा आवास के पास प्रदर्शन करते हुए दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आरोप लगाया कि लाखों रुपये खर्च करके 'शीशमहल' (फ्लैग स्टाफ रोड स्थित बंगला) में लगाई गई 15 शौचालय सीटें गायब हैं। हम लोगों को यह बताने के लिए विरोध कर रहे हैं कि केजरीवाल ने कैसे 12 लाख रुपये की शौचालय सीटों पर करदाताओं का पैसा खर्च किया। पंद्रह ऐसी शौचालय सीटें चोरी हो गईं। इस मुद्दे पर आप चुप रही है।

केजरीवाल को करदाताओं के पैसे का देना होगा हिसाब: सचदेवा

मुख्यमंत्री आतिशी ने पहले कहा था कि भाजपा फ्लैग स्टाफ रोड बंगले पर कब्जा कर सकती है। उन्होंने कहा था कि वह दिल्ली के लोगों के लिए काम करना जारी रखेंगी, भले ही उन्हें सड़क पर बैठकर ऐसा क्यों न करना पड़े। सचदेवा ने कहा, "अरविंद केजरीवाल को शीशमहल में उन्हें शानदार ठहरने की सुविधा देने के लिए करदाताओं के पैसे से खर्च किए गए करोड़ों रुपये का हिसाब देना होगा।"

दिल्ली भाजपा की सह-प्रभारी अलका गुर्जर ने कहा कि यह मुद्दा सीधे तौर पर लोगों को प्रभावित करता है क्योंकि करदाताओं का पैसा इसमें शामिल है और आप को इसे लूटने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

संबित पात्रा ने लगाए थे गंभीर आरोप

इससे पहले, बीजेपी ने दिल्ली के सीएम आवास में उपलब्ध सुविधाओं को लेकर सोमवार को कई खुलासे किए थे। राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा था कि शीशमहल में कई ऐसी सुविधाएं है, जो किसी जहांपनाह को भी नहीं मिलती होगी। पात्रा ने कहा था, 'केजरीवाल के शीश महल में जो पर्दें लगे हैं, उसमें बॉडी सेंसर, रिमोर्ट कंट्रोल और मोटर ट्रैक लगे हैं। जो 4 करोड़ से लेकर 5 करोड़ तक के हैं।"

सुबह बनाई नई सड़क, शाम होते-होते JCB से खोद दी गई... चर्चा में है दो विभागों का कारनामा

परिवहन विशेष न्यूज

दक्षिणी दिल्ली के आया नगर बांध रोड पर करोड़ों रुपये की लागत से सुबह बनी नई सड़क को दोपहर में ही जेसीबी मशीन से तोड़ दिया गया। सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग और जल बोर्ड के बीच समन्वय की कमी के कारण यह बड़ी लापरवाही सामने आई है। जनता के टैक्स के पैसों की इस तरह बर्बादी को लेकर लोग सवाल उठा रहे हैं।

दक्षिणी दिल्ली। जनता के टैक्स के पैसों की बर्बादी किस तरह होती है, ये देखना हो तो आया नगर बांध रोड को देख लें। एक किलोमीटर की यह रोड रविवार की सुबह बनकर तैयार हुई और दोपहर में इसे जेसीबी मशीन लगाकर तोड़ा जाने लगा। दो करोड़ रुपये दो पल में स्वाहा हो गए। लंबे समय से सड़क बनवाने की मांग कर रही क्षेत्रीय जनता दो दिन भी नई सड़क पर चल नहीं पाई। टैक्स के पैसों की इस तरह बर्बादी को लेकर स्थानीय लोग सवाल उठा रहे हैं।

दो करोड़ रुपये की लागत बनी सड़क

सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग ने करीब दो करोड़ रुपये की लागत से आया नगर बांध रोड बनवाई। काम जोर-शोर से चला। शनिवार रात भर काम होने के बाद सुबह नई सड़क देख लोगों की खुशी का ठिकाना न रहा। लंबे समय से गड्ढे और कीचड़ से भरी सड़क पर चलते हुए जनता त्रस्त थी।

करीब 300 मीटर तक नई सड़क खोदी गई

लंबे समय से सड़क बनाने की मांग की जा रही थी। आरोप है कि सड़क सुबह बनी और दोपहर में ही जल बोर्ड की ओर से जेसीबी मशीन लगाकर करीब 300 मीटर तक नई बनी सड़क खोद दी गई। विभागों में समन्वय की कमी के चलते करदाताओं के पैसों की बर्बादी का यह कोई पहला उदाहरण नहीं है।

पहले भी हुआ था ऐसा

कुछ दिन पहले सराय जुलेना गांव में एमसीडी की ओर से एक वर्ष पूर्व बनाई गई सड़कों को सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग ने बिना एनओसी फिर से बनाने के लिए तोड़ा था। एमसीडी की अपत्ति के बाद सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग को काम रोकना पड़ा।

गलतफहमी के चलते पहले हुआ सड़क का काम

इधर, मामले में जल बोर्ड का कहना है कि आया नगर से लेकर घिटोरनी तक सीवर लाइन डालने के काम को लेकर पहले ही सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग को सूचित किया गया था। गलतफहमी के चलते उन्होंने पहले ही सड़क का काम करा दिया। सीवर लाइन डालने का काम अगले तीन दिन में पूरा कर लिया जाएगा।

इस संबंध में आया नगर की निगम पार्षद शीतल चौधरी ने कहा कि कर दाताओं को करोड़ों रुपये इसी तरह पूरे देश में बर्बाद हो रहे हैं, जैसे आया नगर में हुआ। सरकार के विभाग आपस में कोई भी ताल मेल नहीं रखते। इससे न केवल धन की हानि हो रही है, बल्कि समय और संसाधनों को भी बर्बाद किया जा रहा है।

पीड़ित महिलाएं मदद के लिए डीसीडब्ल्यू आती थी, 2 लाख से ज्यादा केस सुलझाए है- रीना गुप्ता

सुषमा रानी

नई दिल्ली। 22 अक्टूबर दिवाली से पहले भाजपा के एलजी ने तुगलकी फरमान जारी कर दिल्ली महिला आयोग के सभी संविदा कर्मचारियों को करके नौकरी से निकाल दिया। जिससे आज पूरे देश के सामने भाजपा का महिला विरोधी चेहरा सामने आ गया है। आम आदमी पार्टी की नेता रीना गुप्ता का कहना है कि महिला आयोग में काम करने वाली कई महिला कर्मचारी खुद सर्वाइवर्स है जो बड़ी हिम्मत जुटाकर डीसीडब्ल्यू में काम कर रही थीं। अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली महिला आयोग को पुनर्जीवित किया, उसका बजट बढ़ाया, 181 हेल्पलाइन शुरु की, जिसके हजारों महिलाओं के जीवन का सुधरा है। पीड़ित महिलाएं मदद के लिए डीसीडब्ल्यू आती थी, महिला आयोग ने अब तक 2 लाख से ज्यादा केस सुलझाए हैं, अब को कहां जाएंगी? एक तरफ केजरीवाल दिल्ली में हर वर्ग के जीवन को बेहतर बना रहे हैं, दूसरी तरफ केंद्र की भाजपा सरकार महिलाओं की तकलीफें और परेशानी बढ़ा रही है। आम आदमी पार्टी की नेता रीना गुप्ता ने मंगलवार को पार्टी कार्यालय में प्रेस वार्ता कर कहा कि दिल्ली महिला आयोग के सारे संविदा कर्मचारियों को एक तुगलकी फरमान जारी करके नौकरी से निकाल दिया गया। दिवाली से पहले इनके घर में मातम छा गया है। बिना किसी कारण के और नोटिस के इन सबके पेट पर लात मार दी गई। दिल्ली महिला आयोग में वो महिलाएं काम कर रही थीं जो कहीं न कहीं खुद प्रताड़ित रही हैं। इसमें कई महिलाएं, एसिड अटैक सर्वाइवर और रेप पीड़िताएं थी, जिन्होंने बड़ी हिम्मत करके महिला आयोग में नौकरी शुरू की थीं। जहां एक तरह अरविंद केजरीवाल पिछले दल सालों में लगातार दिल्ली महिला आयोग को मजबूत बनाने का काम कर रहे हैं। उनके कार्याकाल में दिल्ली महिला आयोग का बजट लगभग पांच गुना बढ़ाया गया। उसी के चलते इन सब पीड़ित महिलाओं को नौकरी दी गई थी। लेकिन भाजपा ने एक चिट्ठी जारी कर सबको नौकरी से निकाल दिया।

रीना गुप्ता ने कहा कि कई महिलाएं डीसीडब्ल्यू में 30-30 साल नौकरी कर रही थीं। अब उनका घर कैसे चलेगा? ठीक दिवाली से पहले जब खुशियां बांटने का माहौल है, उस समय में इन महिलाओं को नौकरी से निकालकर भाजपा ने घिनौनी हरकत की है। इसके दो पहलू हैं। पहला पहलू ये है कि सारे संविदा कर्मचारियों को भाजपा ने नौकरी से निकाल दिया। दूसरा, इस तरह नौकरी से निकाल देने से दिल्ली महिला आयोग में कोई बचेगा ही नहीं। भाजपा ने दिल्ली महिला आयोग में एक तरह से ताला लगाने का काम किया है।

रीना गुप्ता ने आगे कहा कि दिल्ली को देश की रेप कैपिटल बोला जाता है। एनसीआरबी के पिछले साल का डेटा देखा जाए तो दिल्ली में हर दिन कम से कम तीन बलात्कार की घटनाएं होती हैं। दिल्ली में चेन स्कैचिंग और महिलाओं से छेड़छाड़ की घटनाएं आम हो चुकी है। इन घटनाओं से पीड़ित महिलाएं दिल्ली आयोग के पास जाती थीं। अब वो कहां जाएंगी?

रीना गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में जब से अरविंद केजरीवाल की सरकार है उन्होंने दिल्ली का बजट दस गुना किया। उन्होंने दिल्ली में 181 हेल्पलाइन शुरू की। इसके साथ ही पिछले दस साल से आयोग महिलाओं को लीगल मदद या काउंसलिंग भी कर रहा था। दिल्ली महिला आयोग ने लगभग 2 लाख केस हल किए गए थे। एसिड अटैक सर्वाइवर्स को न्याय दिलाने का काम किया गया। साथ ही, महिलाओं को अदालत में लीगल मदद भी जा रही थी। ऐसे में संविदा कर्मचारियों को नौकरी से निकालकर ना सिर्फ भाजपा ने उनके रोजगार पर लात मारी है बल्कि दिल्ली महिला आयोग द्वारा महिलाओं को न्याय दिलाने के काम पर भी ताला लगा दिया है।

रीना गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि वो हर साल दो करोड़ नौकरी देंगे और रोजगार के नए आयाम खोलेंगे। दस साल में वो काम किसी ने नहीं देखा। अरविंद केजरीवाल दिल्ली के ज्यादा से ज्यादा लोगों को पक्की नौकरी दिलाने की कोशिश कर रहे हैं। पिछले हफ्ते उन्होंने दिल्ली एमसीडी में लगभग 700 कर्मचारियों की नौकरी पक्की की। एक तरफ अरविंद केजरीवाल लगातार दिल्ली हर वर्ग के जीवन को बेहतर करने की कोशिश कर रहे हैं। दूसरी तरफ केंद्र सरकार है जो लगातार दिल्ली के लोगों को परेशान करने का काम कर रही है, उनकी तकलीफें बढ़ाने का काम कर रही है। दिल्ली महिला आयोग के कर्मचारियों को नौकरी निकालना भी उसी कड़ी में दिल्ली के ऊपर एक और वार है। दिल्ली की महिलाएं जो दिल्ली महिला आयोग से अपने लिए लीगल मदद या मुआवजा मांग सकती थीं, वो सारे काम अब दिल्ली की महिलाओं के बहुत मुश्किल हो जाएंगे।

रीना गुप्ता ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को ऐलान किया है कि उन्हें चाहे कुछ भी करना पड़े, वो नौकरी से निकाले गए संविदा कर्मचारियों को बहाल कराएंगे। जिससे वो अपना जीवन यापन सही से कर सकें। दिल्ली की महिलाओं में बहुत रोष है। क्योंकि भाजपा दिल्ली महिला आयोग को एक तरह से खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं, जिसे दिल्ली की महिलाएं बिल्कुल सहन नहीं करेंगी। केंद्र सरकार, नरेंद्र मोदी और अमित शाह इस मामले में तुरंत कदम उठाएं। हमें अपना एक महिला आयोग वापस चाहिए।

बढ़ते प्रदूषण को लेकर एक्शन में दिल्ली सरकार

दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली सरकार ने कई अहम फैसले लिए हैं। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि एमसीडी के सफाई कार्य के लिए 6200 अतिरिक्त कर्मचारी लगाए जाएंगे। सड़कों पर पानी का छिड़काव बढ़ाया जाएगा। निजी पार्किंग शुल्क बढ़ाया जाएगा। मेट्रो के ट्रिप बढ़ाए जाएंगे। डीटीसी की बसें बस स्टॉप पर 15 मिनट में आने का समय किया जाएगा।

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिए सरकार के कदमों की जानकारी दीं। विभिन्न विभागों के साथ बैठक के बाद राय ने कहा कि दिल्ली में मौसम में बदलाव के साथ प्रदूषण में बढ़ोतरी देखी जा रही है। यह बढ़ोतरी केवल दिल्ली में नहीं पूरे उत्तर भारत में है। एक्यूआई 300 से ऊपर पहुंचने पर ग्रेप दो लगाया गया है।

गोपाल राय ने बताया कि आज बैठक में फैसला लिया गया है कि 6200 अतिरिक्त कर्मचारी एमसीडी के सफाई कार्य के लिए लगाए जाएंगे। सड़कों पर पानी को छिड़काव बढ़ाया जाएगा।

25 अक्टूबर से पानी का छिड़काव बढ़ाया जाएगा

उन्होंने बताया कि प्रदूषण के हॉट स्पॉट में धूल को समाप्त करने के लिए पानी का छिड़काव 25 अक्टूबर से बढ़ाया जाएगा। निजी पार्किंग शुल्क बढ़ाया जाएगा, जिससे कि निजी वाहन कम आएं। मेट्रो के ट्रिप बढ़ाए जाएंगे। डीटीसी की बसें बस स्टॉप पर 15 मिनट में आने का समय किया जाएगा। सरकारी विभागों के हों या प्राइवेट कर्मचारी हों, सभी अपने कर्मचारियों को रात्रि ड्यूटी के लिए हीटर उपलब्ध कराएंगे।

अतिरिक्त ट्रैफिक पुलिस की होगी तैनाती

उन्होंने बताया कि यातायात को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त यातायात पुलिस कर्मी लगाए जाएंगे। दिल्ली सरकार हरियाणा और उत्तर प्रदेश आदि सरकारों को पत्र लिख रही हैं कि दिल्ली में अभी डीजल बसें ना भेजें। यातायात को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त यातायात कर्मचारी लगाए जाएंगे।

पर्यावरण मंत्री ने दी आवश्यक जानकारी

उन्होंने कहा, "वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए चार स्तर स्थापित किए हैं। वर्तमान में, वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 300 से ऊपर है, जिसके कारण ग्रेप चरण II को लागू किया गया है। मंत्री ने कहा कि एक बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें आवश्यक प्रतिबंधों को लागू करने के लिए उपाय तैयार किए गए थे।

उन्होंने कहा, पानी का छिड़काव बढ़ाया जाएगा। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) इस उद्देश्य के लिए 6,200 कर्मचारियों को तैनात करेगा। हमने प्रदूषण वाले हॉटस्पॉट पर पानी का छिड़काव बढ़ाने का निर्देश दिया है। एमसीडी को 25 अक्टूबर से इसे शुरू करने का निर्देश दिया गया है।

आज से ग्रेप का दूसरा चरण लागू

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता के बिगड़ते स्तर के बीच ग्रेप के दूसरे चरण को लागू किया, जिसमें कोयले और जलाऊ लकड़ी के साथ-साथ डीजल जनरेटर सेट के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया गया। प्रतिबंध मंगलवार सुबह 8 बजे से लागू हो गया।

सपा-कांग्रेस के बीच बन गई बात? गाजियाबाद सीट को लेकर बढ़ी सरगर्मी, 20 साल बाद अखिलेश साधेंगे नई रणनीति

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद शहर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में सभी की निगाहें टिकी हुई हैं। भाजपा लगातार दो बार से इस सीट पर जीत हासिल कर रही है लेकिन इस बार उसे अपनी जीत बचाने के लिए कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। सपा-कांग्रेस गठबंधन इस बार इस सीट पर अपना प्रत्याशी उतार सकता है। ऐसे में मुकाबला काफी रोचक होने वाला है।

गाजियाबाद। सियासी मैदान में एक - दूसरे को घेरने के लिए राजनीतिक दलों ने चक्रव्यूह तैयार कर लिया है। अब तक प्रत्याशियों के नाम की घोषणा न करना इस चक्रव्यूह का ही एक प्रमुख हिस्सा रहा है। अब वह समय आ गया है, जब प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर सियासी रण का शंखनाद राजनीतिक दलों द्वारा किया जाएगा। आज या कल में सभी प्रमुख पार्टी के प्रत्याशी घोषित किए जा सकते हैं।

भाजपा के सामने अपना मजबूत किला बचाने की चुनौती

56- गाजियाबाद के नाम से जानी जाने वाली गाजियाबाद शहर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में लगातार दो बार से जीत हासिल करने वाले भाजपा के सामने अपना किला मजबूत बनाए रखने की चुनौती है।

इसके लिए हर कदम सोच - समझकर ही रखने की तैयारी है, सियासी मैदान में उतरने से पहले भाजपा ने विपक्षी दल की चाल को भांपने के लिए ही अब तक प्रत्याशियों के नाम की घोषणा नहीं की है। जबकि इस सीट पर चुनाव लड़ने के लिए 18 अक्टूबर से नामांकन शुरू हो चुके हैं, नामांकन की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर है।

विधायक चुनने के लिए 506 मतदेय स्थलों पर 4.61 लाख मतदाता मतदान करेंगे।

विधानसभा सीट उपचुनाव के लिए 13 नवंबर को मतदान होगा।

23 नवंबर को मतगणना के बाद परिणाम घोषित किए जाएंगे।

रणनीति के तहत अभी तक नहीं उतारे प्रत्याशी

चार दिन का समय शेष है, लेकिन अब तक भाजपा के साथ ही कांग्रेस, सपा, बसपा ने भी प्रत्याशी के नाम घोषित नहीं किए। बसपा ने पीएन गर्ग को प्रभारी बनाया है, उन्होंने नामांकन के लिए पत्र भी खरीद लिया है। माना जा रहा है कि बसपा से पीएन गर्ग प्रत्याशी हो सकते हैं, लेकिन आधिकारिक तौर पर प्रत्याशी के नाम की घोषणा बाकी है।

वह वैश्य समाज से आते हैं, इस सीट पर पिछले दो बार से वैश्य समाज से आने वाले भाजपा नेता अतुल गर्ग ने जीत हासिल की है। ऐसे में भाजपा सियासी मैदान में उतरने से पहले इस बार जातीय समीकरण भी साधने की कोशिश कर रही है, जिससे कि किसी प्रकार का नकारात्मक संदेश मतदाताओं के बीच न पहुंचे।

20 साल बाद सपा उतार सकती है प्रत्याशी

वहीं, अब तक इस सीट पर सपा - कांग्रेस गठबंधन के तहत कांग्रेस का प्रत्याशी उतरने की संभावना थी, लेकिन अब चर्चा है कि कांग्रेस ने उपचुनाव में उतरने के बजाय सपा को ही इस सीट पर लड़ाने के लिए अंदरखाने सहमति दी है। यदि ऐसा होगा तो 20 साल बाद सपा को इस सीट पर जीत हासिल करने के लिए ऐसे चेहरे को प्रत्याशी बनाना पड़ेगा, जो कि जातीय समीकरण साधने के साथ ही भाजपा के विजय रथ को रोक सके।

अब तक 13 ने लिया नामांकन पत्र

गाजियाबाद शहर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए सोमवार को दो प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र लिया है। इनमें राष्ट्रीय जन लोक पार्टी से धर्मेंद्र सिंह और निर्दलीय प्रत्याशी मिथुन जायसवाल शामिल हैं। इससे पहले 18 अक्टूबर को छह, 19 अक्टूबर को पांच नामांकन पत्र खरीदे गए थे। अब तक कुल 13 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र खरीद लिए हैं।

ग्रेटर नोएडा में मिलेगा सस्ता फ्लैट खरीदने का मौका, यमुना अथॉरिटी ने 1033.65 करोड़ में बेचे ग्रुप हाउसिंग के 9 प्लॉट

अगर आप ग्रेटर नोएडा में अपना आशियाना खरीदना चाहते हैं तो आपके लिए जल्द सुनहरा मौका आ रहा है। दरअसल Yamuna Authority ने बिल्डर परियोजनाओं के लिए नौ प्लॉट बेचे हैं। इन पर 15 प्रतिशत अफोर्डेबल श्रेणी के फ्लैट बनाए जाएंगे। इन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना की तय दरों पर बेचा जाएगा। परियोजना में 10 हजार से अधिक फ्लैट का निर्माण किया जाना है।

ग्रेटर नोएडा। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में बिल्डर परियोजनाओं को फ्लैट खरीदने का मौका जल्द मिलेगा। प्राधिकरण ने ग्रुप हाउसिंग श्रेणी में नौ प्लॉटों का आवंटन किया है। प्लॉटों की बोली से प्राधिकरण को 1033.65 करोड़ रुपये मिलेंगे। यह राशि आरक्षित मूल्य 970.16 करोड़ के सापेक्ष 63.49 करोड़ अधिक है।

19 भूखंडों के सापेक्ष नौ के लिए लगी बोली

ग्रुप हाउसिंग के इन प्लॉटों पर दस हजार से अधिक फ्लैट का निर्माण हो सकेगा। यमुना प्राधिकरण ने एक अगस्त को ग्रुप हाउसिंग श्रेणी में 19 प्लॉटों की योजना निकाली थी। इसमें आवेदन के लिए 30 अगस्त तक का समय दिया गया था।

पिछले सप्ताह इन प्लॉटों का बोली के आधार पर आवंटन किया गया। 19 प्लॉटों के सापेक्ष नौ प्लॉटों का आवंटन हुआ। सेक्टर 18 के छह प्लॉटों के लिए केवल एक का आवंटन हुआ। वहीं सेक्टर 17 के पांच प्लॉट के लिए एक भी आवेदन नहीं मिला।

सेक्टर 22 डी के सभी प्लॉटों के लिए लगाई गई बोली

सेक्टर 22 डी के आठ प्लॉटों में सभी के लिए बोली लगाई गई। प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि नीलामी के आधार पर ग्रुप हाउसिंग श्रेणी के नौ प्लॉटों का आवंटन किया गया है। इन प्लॉटों से प्राधिकरण को आरक्षित मूल्य से तकरीबन 6.5 प्रतिशत अधिक राजस्व मिलेगा।

इन बिल्डरों को आवंटित हुए प्लॉट

स्पेंडर लैंडबेस लि. सेक्टर 18

एल्डिको सोहना प्रोजेक्ट लि. सेक्टर 22 डी

अरिहंत बिल्डकान प्रा. लि. सेक्टर 22 डी

गौर संस प्रोमोटर्स प्रा. लि. सेक्टर 22 डी

पूर्वांचल प्रोजेक्ट्स प्रा. लि. सेक्टर 22 डी

अग्रवाल फूड ग्रेन सेक्टर 22 डी

एग्जोटिका हाउसिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्रो. प्रा. लि. सेक्टर 22 डी

एसजी एस्टेट प्रा. लि. सेक्टर 22 डी

वृंदा हाउसिंग प्रा. लि. सेक्टर 22 डी

अफोर्डेबल हाउसिंग के लिए बनेगा नियम

यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में ग्रुप हाउसिंग परियोजना में फ्लैट की कीमत आम आदमी की पहुंच से बाहर हो चुकी हैं। लोगों को आवास की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्राधिकरण नियम बनाने जा रहा है। इसके तहत बिल्डर परियोजना में अनिवार्य रूप से कुल यूनिट का 15 प्रतिशत अफोर्डेबल श्रेणी के लिए बनाने होंगे।

इनका विक्रय प्रधानमंत्री आवास योजना की तय दरों पर करना होगा। भवन निर्माण की लागत से कम दर पर उनका विक्रय करने पर भरपाई के रूप में उन्हें अतिरिक्त कामर्शियल उपयोग की अनुमति दी जाएगी। इससे बिल्डरों पर अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा और आम आदमी के लिए प्राधिकरण क्षेत्र में अपने घर का सपना पूरा हो सकेगा।

81 गांव के किसानों के लिए नोएडा प्राधिकरण का बड़ा फैसला, 10 प्रतिशत मुआवजा देने पर बनी सहमति

नोएडा प्राधिकरण ने किसानों के मुआवजे के मामले में बड़ा फैसला लिया है। नोएडा प्राधिकरण सौ प्रतिशत मुआवजा लेने वाले किसानों से 10 प्रतिशत मुआवजा राशि वापस लेगा और 5% विकसित भूखंड देगा। बचे 5% का अतिरिक्त मुआवजा 22000 रुपये प्रति वर्ग मीटर की दर से मिलेगा। इसके साथ ही किसानों की आबादी निस्तारण के लिए सर्वे करने का निर्णय लिया गया है।

नोएडा। नोएडा के 81 गांव के किसानों की मांग को लेकर सोमवार की देर रात नोएडा प्राधिकरण सीईओ डॉ. लोकेश एम ने बड़ा फैसला लिया। भारतीय किसान यूनियन पदाधिकारियों की बैठक बुलाकर स्पष्ट किया कि आगामी बोर्ड बैठक में किसानों के मुआवजा प्रकरण में कई प्रस्ताव लेकर चेयरमैन से अनुमोदन कराने को लेकर जा रहे है।

दस प्रतिशत मुआवजा राशि ली जाएगी वापस

इसमें बड़ा फैसला शामिल है, जिन किसानों ने सौ प्रतिशत मुआवजा उठा लिया है, उनसे दस प्रतिशत मुआवजा राशि प्राधिकरण खाते में वापस डलवाई जाएगी। इसके बाद पांच प्रतिशत का विकसित भूखंड किसानों को दिया जाएगा।

बचे पांच प्रतिशत का अतिरिक्त मुआवजा 22000 रुपये वर्ग मीटर की दर से किसानों को प्राधिकरण जारी करेगा। चूंकि अभी इस प्रक्रिया का कोई भी नियम नोएडा प्राधिकरण में उपलब्ध नहीं था। इसलिए नया प्रविधान लागू करने के लिए यह निर्णय लिया गया है।

22000 रुपये प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से मुआवजा

यही नहीं जो किसान पांच प्रतिशत विकसित भूखंड प्राधिकरण से प्राप्त कर चुके है, लेकिन अतिरिक्त पांच प्रतिशत का मुआवजा प्राधिकरण से लेने के लिए कोर्ट से आदेश करा लाए है, उन्हें भी अतिरिक्त मुआवजा 22000 रुपये प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से नोएडा प्राधिकरण देगा।

इसका प्रस्ताव भी प्राधिकरण की ओर से तैयार कर बोर्ड बैठक में रखा जा रहा है। यही नहीं गांव-गांव किसानों की आबादी निस्तारण करने के लिए सर्वे की कमान ओएसडी स्तर के अधिकारी संभालेंगे। मंगलवार से भूलेख विभाग ओएसडी अरविंद सिंह खुद गांव गांव सर्वे करने जाएंगे, शुरूआत बंदौली व गेझा गांव से होगी।

नोएडा की सोसायटी में 13वीं मंजिल से गिरकर बच्चे की मौत, बालकनी से गिरने पर कब-कब हुए ऐसे हादसे

नोएडा की सेक्टर 107 स्थित एक लोटस 300 सोसायटी में दर्दनाक हादसा हो गया। यहां बालकनी से संतुलन बिगड़ने पर 13वीं मंजिल से गिरकर 10 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। स्वजन बच्चे के शव को बिना कार्रवाई किए ही अस्पताल से घर लेकर चले गए और रविवार को बच्चे का अंतिम संस्कार दिया। पुलिस को इस संबंध में कोई शिकायत नहीं मिली है।

नोएडा। थाना सेक्टर 39 क्षेत्र के सेक्टर 107 स्थित एक लोटस 300 सोसायटी में 13वीं मंजिल से गिरकर 10 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। अस्पताल से मिली सूचना पर पहुंची पुलिस से पहले ही स्वजन शव को ले गए और बिना कार्रवाई किये ही शव का अंतिम संस्कार कर दिया। मौत का कारण बच्चे के चार फुट ऊंची बालकनी में खेलते समय संतुलन बिगड़ने से मौत होना सामने आया है। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

अस्पताल और पुलिस की सूचना के मुताबिक लोटस 300 सोसायटी के मयंक बलूचा के 10 वर्षीय बेटे अरमान की शनिवार रात को करीब साढ़े दस बजे 13वें मंजिल की बालकनी से गिरने की सूचना मिली। स्वजन ने बच्चे को घायलावस्था में यथार्थ अस्पताल में भर्ती कराया था। चिकित्सकों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया था।

बालकनी से संतुलन बिगड़ने पर हुआ हादसा

एसीपी प्रथम प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि परिवार की ओर से कोई तहरीर नहीं मिली है। प्राथमिक जांच में 13वीं मंजिल की बालकनी से संतुलन बिगड़ने के कारण हादसा होना सामने आया है।

स्वजन गए थे सोसायटी में नीचे

जानकारों की मानें घटना के समय घर पर अरमान और बड़ा भाई थे जबकि

माता-पिता सोसायटी में नीचे गए थे। चर्चा है कि किसी जानकार के घर डिनर पर गए थे। डिनर के बाद आइसक्रीम खाने सोसायटी के गेट पर गए थे।

इसी बीच बच्चे के गिरने का पता चला। घटना के समय बड़ा बेटा कमरे में था जबकि छोटा बेटा अरमान बालकनी में गया था। वहीं से गिरकर बच्चे की मौत हुई। पुलिस के मुताबिक बालकनी में सीसीटीवी कैमरा भी लगा है लेकिन उससे गिरने की कोई ठोस जानकारी नहीं मिल सकी।

कारोबारी है परिवार

पुलिस के मुताबिक बलूचा परिवार कारोबारी है। सोसायटी के 13वें तल के एक फ्लैट में मयंक बलूचा परिवार संग रहते हैं। पत्नी के अलावा 14 साल का बड़ा बेटा है जबकि 10 साल का छोटा बेटा था।

बालकनी से गिरने पर हुए हादसे

19 अक्टूबर 2024: सेक्टर 107 की लोटस 300 की 13वीं मंजिल से 10 साल के बच्चे की गिरने से मौत\B

04 अक्टूबर 2024: ग्रेटर नोएडा की गौर सिटी दो के 14 एवेन्यू की सोसायटी की 24वीं मंजिल की बालकनी से 12वीं मंजिल की बालकनी में गिरी बच्ची।

17 जून 2023: नोएडा की हाइड पार्क सोसायटी की 8वीं मंजिल के फ्लैट की बालकनी से गिरने पर पांच साल के बच्चे की मौत।

जनवरी 2023 सेक्टर-74 स्थित सुपरटेक केपटाउन सोसायटी में छठी मंजिल से 11 साल का बच्चा गिरा था

मई 2022: सेक्टर-71 स्थित शिवशक्ति अपार्टमेंट में तीसरे फ्लोर से तीन साल के बच्चे की गिरने से मौत।

जनवरी 2022 : ग्रेटर नोएडा के शाहबेरी में 5वीं मंजिल के फ्लैट की बालकनी से गिरने पर 5 साल के बच्चे की मौत।

अगस्त 2021 : ग्रेनो की कासा ग्रीन वन सोसायटी में 12वीं मंजिल के फ्लैट की बालकनी से गिरने से सवा साल के मासूम की मौत।

12वीं मंजिल पर अटकी थी 27वीं मंजिल से गिरी बच्ची

करीब माह भर पहले गौर सिटी दो के 14 एवेन्यू की 27वीं मंजिल में रहने वाली दो साल तीन महीने की बच्ची खेल रही थी। खेलने के दौरान सोफे पर चढ़कर उसने ड्राइंग रूम की खिड़की का दरवाजा खोल लिया था। खिड़की से बाहर निकलकर 12वीं मंजिल के फ्लैट की रसोई में गिर गई थी।

महान "खगोलभौतिकीविद्" सुब्रह्मण्यम चन्द्रशेखर की जीवनी

विजय गर्ग

सुब्रह्मण्यम चन्द्रशेखर (1910 - 1995) एक भारतीय-अमेरिकी खगोलभौतिकीविद् थे जो तारकीय विकास में विशेषज्ञता रखते थे। उन्हें चन्द्रशेखर सीमा की गणना के लिए सबसे ज्यादा जाना जाता है, जो कि एक तारे का अधिकतम द्रव्यमान है जो न्यूट्रॉन स्टार या ब्लैक होल में ढहने से बच सकता है। चन्द्रशेखर का जन्म आज ही के दिन (19 अक्टूबर) 1910 को हुआ था। जीवनीः- सुब्रह्मण्यम चन्द्रशेखर को जीवन भर चन्द्रा के नाम से जाना जाता था। उनके पिता सी सुब्रमण्यम अय्यर और माता सीतालक्ष्मी अय्यर थीं। उनके पिता, एक भारतीय सरकारी लेखा परीक्षक, जिनका काम उत्तर-पश्चिम रेलवे का ऑडिट करना था, एक ब्राह्मण परिवार से थे, जिनके पास भारत के मद्रास (अब चेन्नई) के पास कुछ जमीन थी। चंद्रा एक बड़े परिवार से थे, उनकी दो बड़ी बहनें, तीन छोटे भाई और चार छोटी बहनें थीं। जब चंद्रा अभी छोटे थे तो उनके माता-पिता मद्रास (अब चेन्नई) चले गए और जैसे-जैसे वे बड़े हुए, उन्हें ऐसी शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया गया जिससे उन्हें अपने पिता के बाद सरकारी सेवा में जाने में मदद मिलेगी। हालाँकि चंद्रा एक वैज्ञानिक बनना चाहते थे और उनकी माँ ने उन्हें इस मार्ग पर चलने के लिए प्रोत्साहित किया। उनके आदर्श उनके चाचा सर चन्द्रशेखर वेंकट रमन थे, जिन्होंने 1928 में रमन प्रकीर्णन और रमन प्रभाव की खोज के लिए 1930 में नोबेल पुरस्कार जीता था, जो कि प्रकाश की किरण होने पर प्रकाश की तरंग दैर्ध्य में होने वाला परिवर्तन है। अणुओं द्वारा विक्षेपित होता है। चंद्रा द्वारा अपने चाचा के साथ आदान-प्रदान किए गए कुछ पत्रों के लिए [15] देखें। चंद्रा ने मद्रास विश्वविद्यालय के प्रेसीडेंसी कॉलेज में अध्ययन किया, और उन्होंने अपना पहला शोध पत्र वहीं लिखा जब वह स्नातक थे। यह पेपर रॉयल सोसाइटी की कार्यवाही में प्रकाशित हुआ था जहां इसे राल्फ फाउलर द्वारा प्रस्तुत किया गया था। चंद्रा के साथ प्रेसीडेंसी कॉलेज में ललिता दोरईस्वामी भी थीं, जो मद्रास में चंद्रा के परिवार के करीब रहने वाले परिवार की बेटी थीं। इस समय उनकी शादी होने वाली थी। चंद्रा ने इंग्लैंड में अपनी पढ़ाई के वित्तपोषण के लिए भारत सरकार से छात्रवृत्ति प्राप्त की और 1930 में उन्होंने ट्रिनिटी कॉलेज, कैमब्रिज, इंग्लैंड में अध्ययन करने के लिए भारत छोड़ दिया। 1933 से 1937 तक उन्होंने कैंब्रिज में शोध कार्य किया, लेकिन 1936 में 11 सितंबर को ललिता से शादी करने के लिए वे भारत लौट आए। वे 1936 में कैंब्रिज लौट आए लेकिन अगले वर्ष चंद्रा शिकागो विश्वविद्यालय के स्टाफ में शामिल हो गए जहां उन्हें जीवन भर रहना था। सबसे पहले उन्होंने विस्कॉन्सिन में शिकागो विश्वविद्यालय के भाग, यरकेस वेधशाला में काम किया। बाद में वह शिकागो शहर में विश्वविद्यालय परिसर में काम करने चले गये। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान उन्होंने मैरीलैंड के एबरडीन प्रोविंग ग्राउंड में बैलिस्टिक अनुसंधान प्रयोगशालाओं में काम किया। 1943 में लिखी गई दो रिपोर्टें दर्शाती हैं कि वह इस समय किस प्रकार की समस्याओं पर काम कर रहे थेः पहली है प्लेन शॉक वेव्स के क्षय पर जबकि दूसरी है ब्लास्ट वेव का सामान्य प्रतिबिंब। उन्हें 1952 में शिकागो विश्वविद्यालय के मॉर्टन डी हल विशिष्ट सेवा प्रोफेसर नियुक्त किए जाने से सम्मानित किया गया था। हालांकि उस समय तक चंद्रा 15 वर्षों से संयुक्त राज्य अमेरिका में काम कर रहे थे, लेकिन न तो उन्होंने और न ही उनकी पत्नी ने पहले नागरिकता ली थी। हालाँकि, अगले वर्ष दोनों अमेरिकी नागरिक बन गए और देश के जीवन में पूरी तरह से एकीकृत हो गए। 1964 में जब चंद्रा को कैंब्रिज में एक कुर्सी की पेशकश की गई तो उन्होंने जवाब दिया कि उन्हें इसमें कोई दिलचस्पी नहीं है, इसलिए उन्होंने उस पद को ठुकरा दिया, जो एक युवा व्यक्ति के रूप में उन्हें सबसे अधिक वांछनीय लगता। चन्द्रशेखर ने लगभग 400 पत्र-पत्रिकाएँ और अनेक

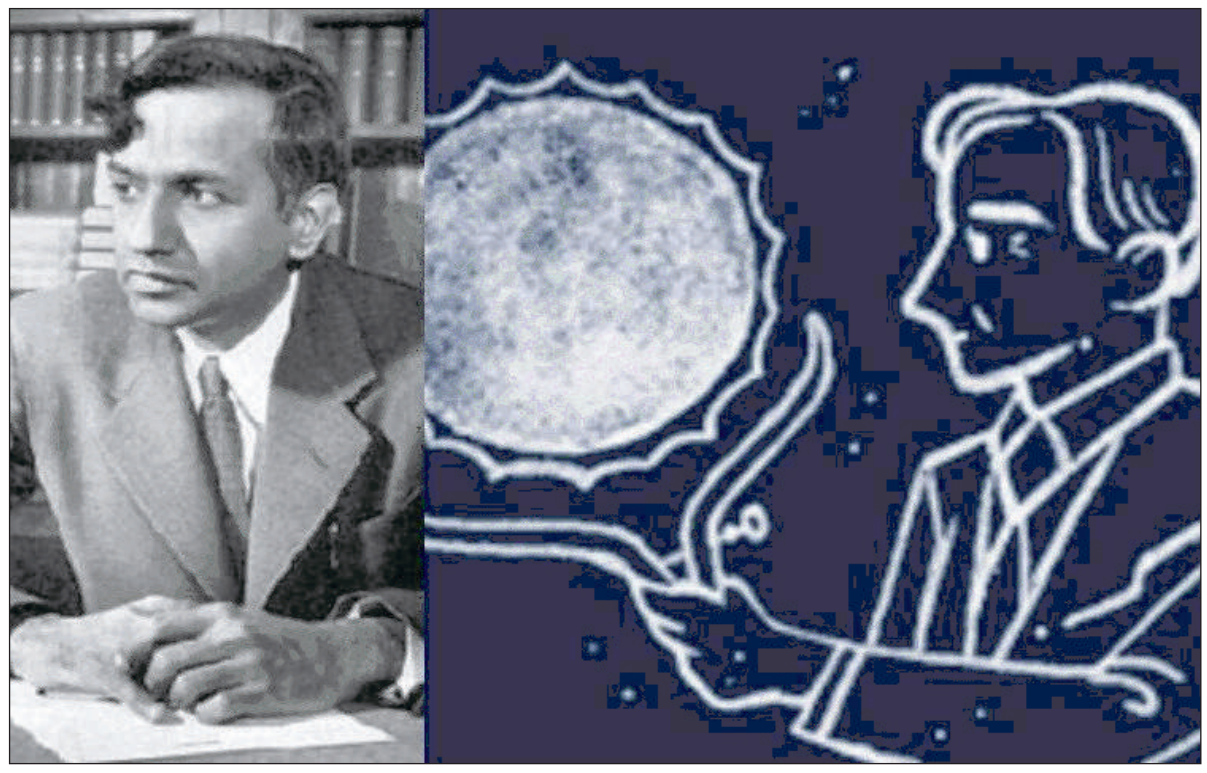

पुस्तकें प्रकाशित कीं।उनकी शोध रुचियां असाधारण रूप से व्यापक थीं लेकिन जब वे इन विशेष विषयों पर ध्यान केंद्रित कर रहे थे तो हम उन्हें विषयों और कठिन अवधियों में विभाजित कर सकते हैं। सबसे पहले उन्होंने 1929 से 1939 तक तारकीय संरचना का अध्ययन किया, जिसमें सफेद बौनों का सिद्धांत भी शामिल था, फिर 1939 से 1943 तक तारकीय गतिशीलता का अध्ययन किया। इसके बाद उन्होंने 1943 से 1950 तक विकिरण हस्तांतरण के सिद्धांत और हाइड्रोजन के नकारात्मक आयन के क्वांटम सिद्धांत को देखा। इसके बाद 1950 से 1961 तक हाइड्रोडायनामिक और हाइड्रोमैग्नेटिक स्थिरता का स्थान आया। 1960 के दशक के अधिकांश समय के दौरान उन्होंने संतुलन के दीर्घवृत्ताकार आकृतियों के संतुलन और स्थिरता का अध्ययन किया, लेकिन इस अवधि के दौरान उन्होंने सामान्य सापेक्षता, विकिरण प्रतिक्रिया प्रक्रिया और स्थिरता जैसे विषयों पर भी काम शुरू किया। सापेक्षतावादी तारों का. 1971 से 1983 की अवधि के दौरान उन्होंने ब्लैक होल के गणितीय सिद्धांत पर शोध किया, फिर अपने जीवन की अंतिम अवधि में उन्होंने गुरुत्वाकर्षण तरंगों के टकराने के सिद्धांत पर काम किया। 1930 में चंद्रा ने दिखाया कि सूर्य से 1.4 गुना अधिक द्रव्यमान वाले तारे (जिसे अब चंद्रशेखर की सीमा के रूप में जाना जाता है) को उस समय ज्ञात किसी भी वस्तु के विपरीत अत्यधिक घनत्व वाली वस्तु में ढहकर अपना जीवन समाप्त करना पड़ा। उनकी अन्य पुस्तकों में एन इंट्रोडक्शन टू द स्टडी ऑफ स्टेलर स्ट्रक्चर (1939), प्रिंसिपल्स ऑफ स्टेलर डायनेमिक्स (1942), रेडिएटिव ट्रांसफर (1950), प्लाज्मा फिजिक्स (1960), हाइड्रोडायनामिक एंड हाइड्रोमैग्नेटिक स्टेबिलिटी (1961), एलीपोसाइडल फिगर्स ऑफ इक्विलिब्रियम (1969) शामिल हैं।), ट्रुथ एंड ब्यूटीः एस्थेटिक्स एंड मोटिवेशन्स इन साइंस (1987), और न्यूटन्स प्रिंसिपिया फॉर द कॉमन रीडर (1995)। इन ग्रंथों ने गणितीय खगोल विज्ञान में प्रमुख भूमिका निभाई है। उदाहरण के लिए एक समीक्षक ने हाइड्रोडायनामिक और हाइड्रोमैग्नेटिक स्थिरता के बारे में लिखा। 1952 से 1971 तक चन्द्रशेखर एस्ट्रोफिजिकल जर्नल के संपादक रहे। यह पत्रिका मूल रूप से शिकागो विश्वविद्यालय का एक स्थानीय प्रकाशन था, लेकिन बाद में यह अमेरिकन एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी का राष्ट्रीय प्रकाशन बन गया, जो उस समय एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय पत्रिका थी। चन्द्रशेखर को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए कई सम्मान प्राप्त हुए जिनमें से कुछ, जैसे 1983 में भौतिकी के लिए नोबेल पुरस्कार, 1962 का रॉयल सोसाइटी का रॉयल मेडल और 1984 का उनका कोपले मेडल, जिनका उल्लेख हम ऊपर कर चुके हैं। हालाँकि, हमें यह भी उल्लेख करना चाहिए कि उन्हें एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी ऑफ़ द पेसिफिक के ब्रूस मेडल, नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज (संयुक्त राज्य अमेरिका) के हेनरी ड्रेपर मेडल और रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी के गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया था। चंद्रा 1980 में सेवानिवृत्त हो गए लेकिन शिकागो में रहना जारी रखा जहां उन्हें 1985 में प्रोफेसर एमेरिटस बना दिया गया। उन्होंने न्यूटन और माइकल एंजेलो जैसे विचारोत्तेजक व्याख्यान देना जारी रखा जो उन्होंने 1994 में लिंडौ में आयोजित नोबेल पुरस्कार विजेताओं की बैठक में दिए थे। उन्होंने सिस्टिन चैपल में माइकल एंजेलो के भित्तिचित्रों और न्यूटन के प्रिंसिपिया की तुलना की। इसी तरह के अन्य व्याख्यानों में शेक्सपियर, न्यूटन और बीथोवेन या रचनात्मकता के पैटर्न और सौंदर्य की धारणा और विज्ञान की खोज शामिल हैं। चन्द्रशेखर सक्रिय रहे और अपने जीवन के अंतिम महीनों में 85 वर्ष की आयु में कॉमन रीडर के लिए अंतिम प्रमुख पुस्तक न्यूटन्स प्रिन्सिपिया में प्रकाशित हुए। इस कार्य के प्रकाशन के कुछ ही समय बाद हृदय गति रुकने से उनकी मृत्यु हो गई और उन्हें शिकागो में दफनाया गया। उनके परिवार में उनकी पत्नी ललिता थीं, जिनकी मृत्यु 21 अगस्त 1995 को हुई शिकागो, इलिनोइस, संयुक्त राज्य अमेरिका

– :सौजन्य :–
ईवी ड्राइव द फ्यूचर
EV
Drive the Future

पीथमपुर में पांच नए प्रोजेक्ट आएंगे, इनमें प्रदेश की पहली डेडिकेटेड ईवी बस यूनिट भी

परिवहन विशेष न्यूज

पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में 5 नई औद्योगिक इकाइयों के निर्माण की शुरुआत होगी। इनमें प्रदेश की पहली डेडिकेटेड ईवी बस और लाइट कमर्शियल व्हीकल मैन्युफैक्चरिंग यूनिट भी शामिल है। 23 अक्टूबर को रीवा में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री कॉनक्लेव के माध्यम से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एमपीआईडीसी इंदौर के इन पांचों प्रोजेक्ट का वर्चुअली भूमिपूजन करेंगे। पांचों यूनिट से 1000 से ज्यादा लोगों को रोजगार मिलेगा।

एमपीआईडीसी के क्षेत्रीय कार्यालय कार्यकारी संचालक राजेश राठौर ने बताया, मेसर्स पिनेकल मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी सेक्टर-07 में 46.5 एकड़ पर प्रोजेक्ट शुरू करेगी। कंपनी द्वारा ईवी बस व लाइट कमर्शियल व्हीकल बनाने के लिए इकाई की स्थापना की जाएगी। इस इकाई में 1600 करोड़ का निवेश प्रस्तावित है और 501 रोजगार मिलेंगे।

मेसर्स मां तुलजा इंडस्ट्रीज कंपनी द्वारा औद्योगिक क्षेत्र हातोद में लगभग 1864 वर्गमीटर भूमि पर प्लास्टिक प्रोडक्ट एवं पैकेजिंग के लिए इकाई शुरू की जाएगी। उक्त इकाई में 0.48 करोड़ का निवेश प्रस्तावित है। मेसर्स श्री गजानन इंटरप्राइजेस कंपनी द्वारा औद्योगिक क्षेत्र रेहटा खड़कोद में 196 वर्गमीटर पर नॉनफेरस मेटल एंड प्रोडक्ट के लिए इकाई की स्थापना की जाएगी। उक्त इकाई में 0.43 करोड़ का निवेश प्रस्तावित है। पीथमपुर में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास विभाग राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर, विधायक नीना वर्मा, कलेक्टर प्रियंक मिश्रा मौजूद रहेंगे।

मेसर्स कोर ब्लॉक स्केफहोल्डिंग एंड फार्म वर्क प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पीथमपुर सेक्टर 3 में लगभग 21 एकड़ भूमि पर मेटल पाइप बनाने की इकाई लगाई जाएगी। इस इकाई में फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट 150 करोड़ का प्रस्तावित है। 350 रोजगार के नए मौके मिलेंगे। मेसर्स कारनिस पॉवरज़ोन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा सेक्टर-3 में लगभग 2874.86 वर्गमीटर भूमि एमपीआईडीसी से ली है। इस पर इकाई द्वारा इलेक्ट्रिक मशीनरी एवं इलेक्ट्रिक इक्विपमेंट्स के लिए इकाई की स्थापना की जाएगी। उक्त इकाई में 1.5 करोड़ का निवेश प्रस्तावित है और 27 रोजगार मिलेंगे।

इलेक्ट्रॉनिकी एवं आईटी मंत्रालय के सचिव एस. कृष्णन ने 'इलेक्ट्रिक वाहन सब-सिस्टम के विकास से जुड़े प्रस्ताव के लिए माइटी-एमएचआई संयुक्त पहल' की घोषणा की

परिवहन विशेष न्यूज

इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (माइटी) ने भारी उद्योग मंत्रालय (एमएचआई) के साथ मिलकर नई दिल्ली के इलेक्ट्रॉनिक्स निकेतन में आयोजित एक समारोह में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) सब-सिस्टम के विकास से जुड़े प्रस्तावों के लिए संयुक्त पहल (ज्वाइंट कॉल) का ऐलान किया। इलेक्ट्रिक वाहन सब-सिस्टम के विकास के लिए इस संयुक्त पहल को लॉन्च करते हुए माइटी सचिव श्री एस कृष्णन ने कहा कि "उद्योग और शिक्षा जगत के साथ मिलकर अन्वेषक और शोधकर्ता प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा दे सकते हैं और ईवी इकोसिस्टम के लिए स्वदेशी उत्पाद उपलब्ध करा सकते हैं।" एमएचआई के अपर सचिव डॉ. हनीफ कुरैशी ने कहा कि "माइटी-एमएचआई के संयुक्त प्रस्ताव की पहल से ईवी क्षेत्र में स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के विकास को बढ़ावा मिलेगा।"

प्रस्तावों के लिए संयुक्त पहल में ईवी चार्जर और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, ईवी के लिए मशीनें और ड्राइव, बैटरी और बैटरी प्रबंधन प्रणाली, टेलीमैटिक्स, कार्यात्मक सुरक्षा और संरक्षा, प्रोटोटाइपिंग के लिए केंद्र, ईवी सब-सिस्टम के सत्यापन के लिए परीक्षण जैसे नवाचार के प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। यह पहल अनुसंधान संस्थानों, स्टार्टअप और उद्योग के खिलाड़ियों की भागीदारी को प्रोत्साहित करती है। चुने गए प्रस्तावों को माइटी से वित्तीय सहायता मिलेगी, जबकि एमएचआई मानकीकरण और परीक्षण सहायता प्रदान करेगा। इच्छुक संस्थान/उद्योग/शिक्षाविद माइटी वेबसाइट के माध्यम से अपने प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकते हैं।

यह पहल भारत सरकार के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है और इसका उद्देश्य ईवी क्षेत्र में वैश्विक लीडर के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करना है। प्रस्ताव के लिए इस संयुक्त पहल का शुभारंभ एक टिकाऊ और विद्युतीकृत भविष्य की दिशा में सहायक होगा और उम्मीद है कि इससे देश के ईवी अपनाने के लक्ष्यों में योगदान देने वाले कई तरह के अभिनव समाधान सामने आएंगे। प्रस्ताव के लिए आह्वान का विवरण यहां उपलब्ध है: https://www.meity.gov.in/whatsnew

कार्यक्रम का उद्देश्य इलेक्ट्रिक वाहन के लिए जरूरी आवश्यक सब-सिस्टम्स को विकसित करना है, जिसमें इलेक्ट्रिक मोटर और ड्राइव कंट्रोलर्स के साथ इलेक्ट्रिक ड्राइव ट्रेन, विभिन्न वोल्टेज/वर्तमान स्तरों में एसी और डीसी से चार्ज करने के विकल्प के साथ इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, ईवी के कारण ग्रिड की गड़बड़ी और सुरक्षा, इंटेलिजेंस आदि के साथ बैटरी प्रबंधन प्रणाली शामिल हैं।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वदेशी उपकरणों के व्यापक उपयग के साथ स्वदेशी सब-सिस्टम्स का विकास करना है, जिससे गुणवत्ता, लागत प्रभावशीलता सुनिश्चित हो सके और प्रासंगिक उद्योगों के सहयोग से व्यावसायीकरण के लिए तैयार हो सकें। 7 और उससे अधिक के प्रौद्योगिकी तत्परता स्तर (टीआरएल) के साथ एक उपकरण/प्रोटोटाइप के विकास की ओर अग्रसर होने वाली परियोजना और व्यावसायीकरण की क्षमता के लिए वित्तीय सहायता के लिए प्राथमिकता दी जाएगी।

इस कार्यक्रम में माइटी में सचिव श्री एस. कृष्णन, माइटी अपर सचिव श्री भुवनेश कुमार और माइटी में अपर सचिव डॉ. हनीफ कुरैशी के साथ-साथ इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग के प्रमुख हितधारकों ने भाग लिया। इस पहल का उद्देश्य महत्वपूर्ण इलेक्ट्रिक वाहनों के अनुसंधान, विकास, विनिर्माण में तेजी लाना और मोटर, कंट्रोलर, कन्वर्टर्स, बैटरी प्रबंधन प्रणाली आदि के क्षेत्रों में नवाचार और उत्पाद विकास को बढ़ावा देना है।

240 की टॉप स्पीड, ADAS सहित बेहतरीन फीचर्स के साथ लॉन्च हुई Mercedes AMG G63 Facelift, कीमत 3.60 करोड़ रुपये

परिवहन विशेष न्यूज

जर्मनी की लग्जरी वाहन निर्माता Mercedes Benz की ओर से कई बेहतरीन वाहनों की बिक्री की जाती है। कंपनी की ओर से Diwali 2024 से पहले नई एसयूवी को लॉन्च (Mercedes Benz AMG G63 Facelift launched in India) कर दिया गया है। एसयूवी में कितना दमदार इंजन दिया गया है। किस तरह के फीचर्स दिए गए हैं। कितनी कीमत पर इसे लॉन्च किया गया है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। लग्जरी वाहन निर्माता Mercedes Benz की ओर से कई बेहतरीन कारों और एसयूवी की बिक्री भारतीय बाजार में की जाती है। Diwali 2024 से पहले ही कंपनी ने एक और दमदार एसयूवी को भारत में लॉन्च (Mercedes Benz AMG G63 Facelift launched in India) कर दिया है। कंपनी ने इसे किस कीमत पर लॉन्च किया है। किस तरह के फीचर्स दिए हैं और कितना दमदार इंजन दिया गया है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

लॉन्च हुई Mercedes AMG G63 Facelift

मर्सिडीज बेंज की ओर से भारतीय बाजार में नई एसयूवी के तौर पर Mercedes Benz AMG G63 Facelift को लॉन्च कर दिया गया है। कंपनी की ओर से इस एसयूवी में कई बेहतरीन फीचर्स को दिया गया है। साथ ही कई सेफ्टी फीचर्स को भी दिया गया है।

कैसे हैं फीचर्स

कंपनी की ओर से Facelift में MBUX NTG7 के साथ इंफोटेनमेंट सिस्टम, नापा लेदर, कस्टमाइज्ड एंबिएंट लाइट्स, 31 अपहोल्स्ट्री विकल्प, 29 पेंट स्कीम विकल्प, 12.3 इंच ड्राइवर और मल्टीमीडिया टचकंट्रोल डिस्प्ले, वायरलैस एंड्राइड ऑटो, एपल कार प्ले, टाइप सी पोर्ट, 18 स्पीकर्स के साथ बरमेस्टर का श्री डी सराउंड साउंड सिस्टम जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इनके अलावा एसयूवी में सेफ्टी के लिए ADAS, 360 डिग्री कैमरा, ब्रेक असिस्ट, लेन कीप असिस्ट, टायर प्रैशर मॉनिटरिंग जैसे फीचर्स भी मिलते हैं। एसयूवी में पहली बार Launch Control फीचर को भी जोड़ा गया है।

कितना दमदार इंजन

मर्सिडीज बेंज की ओर से नई एएमजी जी-63 Facelift एसयूवी में चार लीटर की क्षमता का वी8 का माइल्ड हाइब्रिड इंजन दिया गया है। 3982 सीसी की क्षमता के इंजन से इसे 430 किलोवाट की पावर और 850 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है। माइल्ड हाइब्रिड के कारण इसे 15 किलोवाट की अतिरिक्त पावर भी मिलती है। इसकी टॉप स्पीड 240 किलोमीटर प्रति घंटा तक है और 0-100 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड को हासिल करने में इसे सिर्फ 4.3 सेकेंड का समय लगता है। कंपनी ने इसमें एक्टिव राइड कंट्रोल और ऑफ रोडिंग क्षमता को भी दिया है।

कितनी है कीमत

Mercedes Benz AMG G63 Facelift की भारतीय बाजार में शुरुआती एक्स शोरूम कीमत 3.60 लाख रुपये रखी गई है। खास बात यह है कि लॉन्च से पहले इसके लिए कंपनी को 120 से ज्यादा बुकिंग्स मिल चुकी हैं। कंपनी ने इस एसयूवी के लिए 2025 के तीसरे क्वार्टर के लिए बुकिंग को शुरू कर दिया है।

28 महीने में Volkswagen Virtus की 50 हजार यूनिट्स की हुई बिक्री, दमदार सुरक्षा के साथ मिलते हैं बेहतरीन फीचर्स

परिवहन विशेष न्यूज

जर्मनी की वाहन निर्माता Volkswagen की ओर से भारतीय बाजार में तीन वाहनों की बिक्री की जाती है। कंपनी की ओर से ऑफर की जाने वाली मिड साइज सेडान कार Volkswagen Virtus ने नया कीर्तिमान बनाया है। सेडान कार ने किस उपलब्धि को हासिल किया है। इसमें किस तरह के फीचर्स मिलते हैं और किस कीमत पर इसे खरीदा जा सकता है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। यूरोप की बड़ी वाहन निर्माता Volkswagen भारत में भी तीन कारों की बिक्री करती है। जिनमें एक मिड साइज सेडान कार Volkswagen Virtus भी शामिल है। कंपनी की इस गाड़ी ने नया कीर्तिमान (Volkswagen Virtus Sales Milestone) बनाया है। किस तरह के फीचर्स इसमें दिए जाते हैं। सुरक्षा के मामले में यह गाड़ी कितनी बेहतर है। बाजार में इसका मुकाबला किन कारों से होता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Volkswagen Virtus ने बनाया कीर्तिमान

फॉक्सवैगन की वर्टुस को मिड साइज सेडान कार के तौर पर भारतीय बाजार में उपलब्ध करवाया जाता है। कंपनी की इस गाड़ी ने हाल में ही नया कीर्तिमान बनाया है। कंपनी से मिली जानकारी के मुताबिक लॉन्च होने के 28 महीनों के दौरान ही इस गाड़ी की 50 हजार यूनिट्स की बिक्री हो चुकी है। खास बात यह है कि मौजूदा वित्त वर्ष में अब तक इसकी 17 हजार से ज्यादा यूनिट्स को खरीदा जा चुका है।

कुछ समय पहले लॉन्च हुआ GT Line और GT Plus वेरिएंट

कंपनी ने कुछ समय पहले ही इस गाड़ी को ज्यादा बेहतर बनाने के लिए दो नए वेरिएंट्स को भी लॉन्च किया है। जिनमें GT Line और GT Plus शामिल हैं। सामान्य कार के मुकाबले में इनमें ज्यादा फीचर्स दिए गए हैं।

कैसे हैं फीचर्स

कंपनी की ओर से वर्टुस में कई बेहतरीन फीचर्स को ऑफर किया जाता है। इसमें एलईडी हैडलैंप के साथ एलईडी डीआरएल, ब्लैक फ्रंट ग्रिल, 16 इंच ब्लैक अलॉय व्हील्स, इलेक्ट्रिक सनरूफ, की-लैस एंट्री के साथ स्टार्ट/स्टॉपबटन, 20.32 सेमी डिजिटल कॉकपिट, 25.65 सेमी इंफोटेनमेंट सिस्टम, स्मार्ट टच एसी, ग्लॉसी ब्लैक डैशबोर्ड, रेड एंबिएंट लाइट्स, एल्यूमिनियम पैडल्स, ब्लैक लैदरेट के अलावा फैब्रिक के साथ ग्रे स्टिचिंग जैसे कुछ फीचर्स को दिया जाता है।

मोटर शो में दिखी रेनॉल्ट इलेक्ट्रिक बाइक की झलक

परिवहन विशेष न्यूज

रेनॉल्ट दुनिया भर में अपनी उच्च गुणवत्ता वाली कारों के लिए जानी जाती है। भारत में भी रेनॉल्ट की कारें बहुत लोकप्रिय हैं, खासकर अपनी कम कीमत और शानदार फीचर्स के कारण। कार बनाने वाली फ्रांस की कंपनी रेनॉल्ट को लोग कारों के लिए जानते हैं, लेकिन पेरिस मोटर शो में मौजूद लोग उस वक्त हैरान हो गए जब उन्होंने कंपनी के पवेलियन में एक बाइक खड़ी देखी. बाइक का नाम हेरिटेज स्पिरिट स्क्रैम्बलर बताया जा रहा है। रेनॉल्ट के पवेलियन में खड़ी बाइक एक कॉन्सेप्ट मॉडल थी।

यूरोप की सड़कों पर जल्द ही इसकी प्रोडक्शन मॉडल नजर आएगी. बताया जा रहा है कि इलेक्ट्रिक बाइक की कीमत 23,450 यूरो के आसपास होगी। भारतीय करेंसी में ये वैल्यू लगभग 21.2 लाख रुपये के बराबर है। अपकमिंग बाइक को Annecy की स्टार्ट-अप कंपनी Ateliers HeritageBike ने डिजाइन किया है। फ्रांस में स्थानीय स्तर पर अधिक स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के मकसद से यह शोकेस आयोजित की गई थी।

नाम से ही पता चल रहा है कि हेरिटेज स्पिरिट एक स्क्रैम्बलर है जिसमें निओ-रेट्रो डिज़ाइन एलीमेंट हैं। साल 1980 में आई स्क्रैम्बलर की डिजाइन से प्रेरित ये नई बाइक फ्यूचरिस्टिक थीम पर आधारित है हालांकि स्टाइलिंग में क्लासिक जैसी कई खूबियां इसमें देखने को नजर आ रही हैं। उदाहरण के लिए फ्यूल टैंक का आकार पुराना लगता है, लेकिन इसकी लिवरी और ग्राफिक्स काफी अपडेटेड हैं।

अन्य प्रमुख डिज़ाइन एलीमेंट में एक एकल-पीस सैडल है जिसमें रिब्ड पैटर्न है, रेक्टेएंगुलर लेड ब्रेक लैंप, ओव्युलर लेड हेडलैंप, बार-एंड मिरर, फ्रंट और रियर हिस्से में शॉर्ट फेंडर और 17 इंच के वायर-स्पोक व्हील नजर आते हैं जो नॉबी टायर से लैस हैं। बैटरी को चेसिस के भीतर रखा गया है, जो फ्रेम के लिए स्ट्रेस मेंबर के रूप में काम करती है।

हेरिटेज स्पिरिट स्क्रैम्बलर दो वेरिएंट्स 50cc और 125cc में उपलब्ध है। बेस वेरिएंट को अधिकतम 45 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ाया जा सकता है। यूरोप में 16 साल या उससे अधिक उम्र के राइडर्स के लिए एम ड्राइविंग लाइसेंस के लिए योग्य है। यूरोपीय देशों में 16 साल या उससे अधिक उम्र के लोग एम ड्राइविंग लाइसेंस के लिए अप्लाई करते हैं। यह लाइसेंस उन्हें दोपहिया वाहन जैसे कि स्कूटर, मोपेड और छोटी बाइक चलाने की अनुमति देता है। दूसरी ओर 125cc वेरिएंट को अधिकतम 99 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से भगाया जा सकता है और इसकी कीमत 24,950 यूरो (लगभग 22.74 लाख रुपये) है। इस वेरिएंट को चलाने के लिए A1 लाइसेंस या B196 कार ड्राइविंग लाइसेंस की जरूरत पड़ती है।

स्पेसिफिकेशंस की बात करें तो बेस वेरिएंट में 4kW का मोटर है जो 240 Nm का टॉर्क जनरेट करता है। इसमें 3.2 kWh की बैटरी लगी है, जो एक बार फुल चार्ज करने पर 80 किमी की रेंज देने का वादा करती है। टॉप वेरिएंट में 7kW का मोटर है जो 280 Nm का टॉर्क जनरेट करने में सक्षम है। इस वेरिएंट में एक बड़ी 4.8 kWh कैपेसिटी की बैटरी लगी है, जो एक बार फुल चार्ज करने पर 100 किमी की रेंज देने में सक्षम होगी।

नई कार खरीदने के लिए कौन-सा टाइम होता है बेस्ट, दिवाली या न्यू ईयर में से किस पर गाड़ी लेना होगा फायदेमंद?

परिवहन विशेष न्यूज

हाल ही में धनतेरस-दिवाली आने वाला है। इसके बाद नया साल आ जाएगा। इस दौरान बहुत से लोग नई कार या बाइक खरीदते हैं। जिसे देखते हुए हम यहां पर आपको बता रहे हैं कि नई गाड़ी खरीदने के लिए सबसे सही समय कौन-सा रहता है। वहीं आपको किस समय नई गाड़ी खरीदने पर सबसे ज्यादा फायदा होगा।

नई दिल्ली। भारत में हाल के समय में फेस्टिव सीजन चल रहा है। इस दौरान बहुत से भारतीय नई गाड़ी खरीदते हैं। वहीं, लोग इस दौरान नई कार या बाइक खरीदना शुभ मानते हैं। अगर आप भी इस दिवाली या नए साल के मौके पर नई गाड़ी घर लाने का प्लान बना रहे हैं तो आपको पता होना चाहिए कि गाड़ी घर लाना कब फायदेमंद हो सकता है। हम यहां पर आपको बता रहे हैं कि नई कार या बाइक खरीदने के लिए सबसे अच्छा समय कौन-सा होता है।

नए मॉडल के लॉन्च होने पर

जब किसी गाड़ी का नया मॉडल लॉन्च होता है तो उसके पुराने मॉडल की कीमत को कंपनी कम कर देती है, ताकि पुराने मॉडल के पड़े हुए स्टॉक को जल्द से जल्द खत्म किया जा सकें। अगर आपको पुराना मॉडल खरीदने से कोई ऐतराज नहीं है, तो ऐसे समय में आप नई कार या बाइक खरीद सकते हैं। इतना ही नहीं, नए मॉडल के लॉन्च होने के बाद पुराने मॉडल पर अच्छा खासा डिस्काउंट भी मिलता है।

फाइनेंशियल ईयर के आखिर में

भारत में फाइनेंशियल ईयर 31 मार्च को खत्म होता है। इस समय कई कार निर्माता कंपनियां और डीलरशिप अक्सर बड़ा डिस्काउंट देती हैं। वहीं, इस दौरान उन्हें इस दौरान साल का टारगेट भी पूरा करना होता है। इसलिए वह फाइनेंशियल ईयर के अंत में गाड़ियों पर अच्छा खासा छूट देते हैं, जिसकी वजह से आपको इस दौरान नई कार खरीदने पर आपको अच्छा डिस्काउंट मिल सकता है।

नए साल के मौके पर

नए साल के मौके पर कार खरीदना आपके लिए अच्छा साबित हो सकता है। ये समय ऐसा होता है जब डीलरशिप अपने स्टॉक को खत्म करना चाहते हैं, ताकि वह नए साल में नए मॉडल के लिए जगह बना सकें। जिसके वजह से इस दौरान भी गाड़ियों पर बहुत अच्छे डिस्काउंट मिलते हैं। वहीं, नए साल से पहले नई कार खरीदने पर नववर्ष आने पर वह एक साल पुरानी हो जाती है। भले ही आपने उसे नवंबर ही क्यों न खरीदा हो।

धनतेरस-दिवाली के मौके पर

भारत में धनतेरस-दिवाली के समय पर नई कार या बाइक खरीदना शुभ माना जाता है। कहा जाता है कि इस दौरान नई गाड़ी खरीदने पर माता लक्ष्मी का आशीर्वाद मिलता है। जिसकी वजह से भारत में इस समय गाड़ियों पर बंपर डिस्काउंट मिलता है। वहीं, इस समय फेस्टिव सीजन होने की वजह से कार बनाने वाली कंपनियां और डीलरशिप कई तरह के डिस्काउंट और ऑफर्स देते हैं। इतना ही नहीं बहुत-सी कंपनियां एक लाख रुपये से लेकर 2 लाख रुपये तक का डिस्काउंट देते हैं।

त्योहार समारोह पारंपरिक से डिजिटल तक

विजय गर्ग

सांस्कृतिक महत्व : त्यौहार सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करने का एक साधन थे। अनुष्ठान, पारंपरिक पोशाक, संगीत और नृत्य इन समारोहों के अभिन्न अंग थे, जो पीढ़ियों के बीच एक पुल के रूप में काम करते थे। सामुदायिक जुड़ाव : त्योहार समुदायों को एक साथ लाते हैं, जिससे अपनेपन और साझा पहचान की भावना को बढ़ावा मिलता है। वे अक्सर पारिवारिक संबंधों को मजबूत करने और मित्रता को नवीनीकृत करने की पृष्ठभूमि थे। शारीरिक भागीदारी : घरों को सजाने से लेकर जुलूसों में भाग लेने तक, त्योहारों में शारीरिक भागीदारी को उत्सव के एक अनिवार्य हिस्से के रूप में देखा जाता था।

त्यौहार हमेशा मानव संस्कृति की आधारशिला रहे हैं, जो खुशी, प्रतिबिंब और सामुदायिक बंधन के क्षणों के रूप में कार्य करते हैं। परंपरागत रूप से, इन समारोहों को अनुष्ठानों, सभाओं और पीढ़ियों से चले आ रहे सदियों पुराने रीति-रिवाजों द्वारा चिह्नित किया गया है। हालाँकि, जैसे-जैसे डिजिटल युग आया, हमारे त्योहार मनाने के तरीके में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन आया है। यह ब्लॉग त्योहारों की पारंपरिक जड़ों से लेकर उनके वर्तमान डिजिटल अवतार तक की यात्रा की पड़ताल करता है, और इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे प्रौद्योगिकी ने हमारे उत्सव के अनुभवों को फिर से परिभाषित किया है। त्योहारों का पारंपरिक सार: ऐतिहासिक रूप से, त्योहार धार्मिक, कृषि या सांस्कृतिक प्रथाओं से गहराई से जुड़े हुए थे। चाहे वह भारत में दिवाली के दौरान दीपों की रोशनी हो, ब्राजील में कार्निवल की भव्य परेड, या संयुक्त राज्य अमेरिका में थैंक्सगिविंग का शांत प्रतिबिंब, त्योहारों की विशेषता भौतिक समारोहों, साझा भोजन और सांप्रदायिक भागीदारी थी। सांस्कृतिक महत्वः त्यौहार सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करने का एक साधन थे। अनुष्ठान, पारंपरिक पोशाक, संगीत और नृत्य इन समारोहों के अभिन्न अंग थे, जो पीढ़ियों के बीच एक पुल के रूप में काम करते थे। सामुदायिक जुड़ावः त्योहार समुदायों को एक साथ लाते हैं, जिससे अपनेपन और साझा पहचान की भावना को बढ़ावा मिलता है। वे अक्सर पारिवारिक संबंधों को मजबूत करने और मित्रता को नवीनीकृत करने की पृष्ठभूमि थे। शारीरिक भागीदारीः घरों को सजाने से लेकर जुलूसों में भाग लेने तक, त्योहारों में शारीरिक भागीदारी को उत्सव के एक अनिवार्य हिस्से के रूप में देखा जाता था। प्रौद्योगिकी का आगमनः इंटरनेट और डिजिटल प्रौद्योगिकियों के उदय के साथ, त्योहार समारोहों का परिदृश्य बदलना शुरू हो गया। डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म द्वारा सक्षम सुविधा, कनेक्टिविटी और रचनात्मकता ने जश्न मनाने के नए तरीके पेश किए हैं, खासकर तेजी से वैश्वीकृत और तकनीक-प्रेमी दुनिया में। आभासी सभाएँ: सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तनों में से एक भौतिक सभाओं से आभासी सभाओं की ओर बदलाव है। फेसबुक, ज़ूम और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म आभासी त्योहार समारोहों की मेजबानी के लिए लोकप्रिय स्थान बन गए हैं, जिससे लोगों को वास्तविक समय में दुनिया भर में अपने प्रियजनों से जुड़ने की अनुमति मिलती है। डिजिटल सजावटः पारंपरिक सजावट में भी डिजिटल बदलाव देखा गया है। संवर्धित वास्तविकता (एआर) और वर्चुअल डिज़ाइन उपकरण व्यक्तियों को न्यूनतम शारीरिक प्रयास के साथ अपने घरों में उत्सव का माहौल बनाने की अनुमति देते हैं। ऐप्स अब आभासी दिवाली लैंप से लेकर अनुकूलन योग्य क्रिसमस ट्री तक सब कुछ प्रदान करते हैं। ऑनलाइन शॉपिंग और उपहार देनाः ई-कॉमर्स के उदय ने त्योहारों के लिए खरीदारी करने के तरीके में क्रांति ला दी है। हलचल भरे बाजारों के बजाय, लोग अब सजावट, उपहार और उत्सव की पोशाक के लिए ऑनलाइन स्टोर ब्राउज़ करते हैं। डिजिटल उपहार कार्ड और आभासी उपहार भी आम हो गए हैं, जो तेजी से बढ़ती, डिजिटल-प्रथम दुनिया की जरूरतों को पूरा करते हैं। सोशल मीडिया का प्रभावः सोशल मीडिया ने न केवल हमारे जश्न मनाने के तरीके को बदल दिया है, बल्कि हमारे उत्सवों को साझा करने के तरीके को भी बदल दिया है। इंस्टाग्राम और टिकटॉक जैसे प्लेटफॉर्म ने त्योहारों को वैश्विक आयोजनों में बदल दिया है, जहां रुझान वायरल हो सकते हैं और अंतर-सांस्कृतिक आदान-प्रदान आदर्श हैं। हैशटैग छुट्टियाँः मैरीक्रिसमस या दिवाली2024 जैसे हैशटैग लोगों के लिए अपने उत्सव के अनुभवों को वैश्विक दर्शकों के साथ साझा करने का एक तरीका बन गए हैं। ये डिजिटल फुटप्रिंट विश्वव्यापी समुदाय के एक साथ जश्न मनाने की भावना पैदा करते हैं।

प्रभावशाली संस्कृतिः आधुनिक त्योहार समारोहों को आकार देने में प्रभावशाली लोग महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ईद के लिए फैशन टिप्स से लेकर...नवोन्वेषी दिवाली रेसिपी, प्रभावशाली लोग प्रेरणा प्रदान करते हैं और ऐसे रुझान स्थापित करते हैं जो उनके अनुयायियों को पसंद आते हैं। आभासी चुनौतियाँ और प्रतियोगिताएँः सोशल मीडिया ने त्योहारों में इंटरैक्टिव तत्व भी पेश किए हैं। आभासी चुनौतियाँ, जैसे सजावट प्रतियोगिताएं या डांस-ऑफ़, उपयोगकर्ताओं को संलग्न करती हैं और उत्सव के आसपास एक भागीदारी संस्कृति बनाती हैं। परंपराओं के संरक्षण में डिजिटल की भूमिकाः दिलचस्प बात यह है कि जहां डिजिटल प्लेटफॉर्म ने जश्न मनाने के नए तरीके पेश किए हैं, वहीं उन्होंने पारंपरिक प्रथाओं को संरक्षित और पुनर्जीवित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऑनलाइन ट्यूटोरियल, वर्चुअल वर्कशॉप और सांस्कृतिक ऐप्स ने युवा पीढ़ी के लिए पारंपरिक अनुष्ठानों के बारे में सीखना और उनमें भाग लेना आसान बना दिया है। शैक्षिक सामग्रीः पारंपरिक शिल्प, व्यंजनों और अनुष्ठानों के लिए समर्पित यूट्यूब चैनलों और ब्लॉगों ने यह सुनिश्चित किया है कि सांस्कृतिक ज्ञान नष्ट न हो, बल्कि आधुनिक संदर्भों के अनुकूल हो। वैश्विक पहुंचः डिजिटल प्लेटफार्मों ने प्रवासी समुदायों के लिए अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहना संभव बना दिया है। मंदिर समारोहों, वर्चुअल सेडर रात्रिभोज, या ऑनलाइन सांस्कृतिक उत्सवों की लाइवस्ट्रीम लोगों को उनके स्थान की परवाह किए बिना पारंपरिक समारोहों में भाग लेने की अनुमति देती है। चुनौतियाँ और आलोचनाएँः कई लाभों के बावजूद, त्योहारों के डिजिटलीकरण की अपनी चुनौतियाँ हैं। आभासी समारोहों में बदलाव से कभी-कभी व्यक्तिगत स्पर्श और भावनात्मक संबंध का नुकसान हो सकता है जो भौतिक समारोह प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त, ऑनलाइन प्लेटफार्मों के माध्यम से त्योहारों के व्यावसायीकरण ने सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व के कमजोर होने के बारे में चिंताएं बढ़ा दी हैं। शारीरिक संबंध की हानिः आभासी सभाएँ, सुविधाजनक होते हुए भी, आमने-सामने की बातचीत की गर्मजोशी और अंतरंगता को पूरी तरह से दोहरा नहीं सकती हैं। संवेदी अनुभव - जैसे उत्सव के भोजन की सुगंध, पारंपरिक संगीत की ध्वनि और जटिल सजावट की अनुभूति - अक्सर डिजिटल समारोहों में गायब हैं। व्यावसायीकरणः ऑनलाइन विज्ञापनों, बिक्री और प्रचार के माध्यम से त्योहारों का व्यावसायीकरण कभी-कभी उत्सव के वास्तविक अर्थ को धूमिल कर सकता है, जिससे यह सांस्कृतिक या धार्मिक अनुष्ठान के बजाय उपभोक्ता-संचालित कार्यक्रम में बदल जाता है। निष्कर्षः त्योहार समारोहों का पारंपरिक से डिजिटल तक विकास प्रौद्योगिकी द्वारा संचालित व्यापक सामाजिक परिवर्तनों को दर्शाता है। जबकि त्योहारों का सार-समुदाय, परंपरा और उत्सव-बरकरार है, हमारे बढ़ते डिजिटल जीवन को समायोजित करने के लिए भागीदारी के तरीके विकसित हुए हैं। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे, चुनौती पारंपरिक प्रथाओं की समृद्धि के साथ डिजिटल समारोहों की सुविधा को संतुलित करने की होगी, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि त्योहार सभी के लिए सार्थक, समावेशी और खुशी के अवसर बने रहें। यह विषय इस बात पर एक व्यापक नज़र डालता है कि डिजिटल युग में त्योहार समारोह कैसे बदल गए हैं, जबकि पाठकों को अपने स्वयं के उत्सवों में परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब

डिजिटल युग में डिजिटल दिवाली मनाना

विजय गर्ग

इसके तहत पटाखों और अन्य प्रदूषण फैलाने वाली वस्तुओं से दूरी बनाकर डिजिटल माध्यम और साधनों के साथ दिवाली मनाने के लिए प्रेरित किया जाता है। ये कॉन्सेप्ट खासतौर पर उस समय सामने आया जब कोविड-19 महामारी के कारण सामाजिक दूरी बनाए रखना आवश्यक हो गया था। लेकिन अब यह विचार पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक स्थायी कदम माना जा रहा है। डिजिटल उपकरणों के माध्यम से त्योहार को किफायती और सुविधाजनक रूप से मनाया जा सकता है। डिजिटल दिवाली एक स्वस्थ, पर्यावरण-हितैषी और आधुनिक तरीके से पर्व मनाने का तरीका है।

डिजिटल दिवाली: जैसे जैसे समय बदल रहा है..हमारी जीवनशैली, पर्व, त्योहारों में भी बदलाव आ रहा है। इस डिजिटल युग है में हमारे परंपरागत त्योहारों को मनाने का तरीका भी बदल रहा है। डिजिटल दिवाली इसी का एक उदाहरण है। डिजिटल दिवाली तकनीक, पर्यावरण संरक्षण और जागरूकता को ध्यान में रखते हुए मनाई जाती है। इसका उद्देश्य पारंपरिक त्योहार की खुशियों को बनाए रखते हुए पर्यावरण पर इसके प्रभाव को कम करना और आधुनिक सुविधाओं का लाभ उठाना है। डिजिटल दिवाली ऑनलाइन शॉपिंग, डिजिटल ग्रीटिंग्स और ऐप्स जैसी तकनीक का उपयोग करके रोशनी का त्योहार मनाने का एक तरीका है। पर्यावरण-संरक्षण और समाज में जागरूकता बढ़ाने के संदर्भ में कई लोग अब ये पहल कर रहे हैं। हालांकि अभी ये बहुत प्रचलित धारणा नहीं है लेकिन धीरे धीरे कई लोगों का रुझान इस तरफ़ बढ़ रहा है। ये हमारे पारंपरिक त्योहार का एक आधुनिक और डिजिटल रूप है।

पारंपरिक पर्व का आधुनिक रूप

डिजिटल दीवाली एक नई सोच और जागरूकता का प्रतीक है, जो आधुनिक तकनीक और पर्यावरण-संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए दीपोत्सव मनाने का तरीका है। डिजिटल दिवाली की पहल हमें परंपरागत त्योहारों को एक नई तकनीकी दृष्टिकोण के साथ इसे मनाने का अवसर देती है जिससे हम पर्यावरण, स्वास्थ्य और सामाजिक हितों का ध्यान रखते हुए उत्सव का आनंद ले सकते हैं।

डिजिटल दिवाली का महत्व

जब हम बात कर रहे हैं डिजिटल दिवाली की तो इसका मुख्य उद्देश्य पारंपरिक तरीके से दिवाली मनाने के साथ-साथ डिजिटल उपकरणों और ऑनलाइन साधनों का उपयोग करके त्योहार को आधुनिक जीवनशैली के अनुकूल बनाना है। इसके माध्यम से न केवल सामाजिक दूरी का पालन किया जाता है, बल्कि पटाखों से दूरी बनाकर पर्यावरण संरक्षण का समर्थन करना भी है।

डिजिटल दिवाली मनाने के तरीके

1. ई-ग्रीटिंग्स : डिजिटल दिवाली में लोग परंपरागत कार्ड की बजाय ई-काड्र्स और डिजिटल ग्रीटिंग्स का उपयोग करते हैं जिससे कागज की खपत कम होती है और पर्यावरण को संरक्षित करने में मदद मिलती है।

2. ऑनलाइन शॉपिंग और गिफ्ट्स : लोग डिजिटल शॉपिंग प्लेटफॉर्म्स का उपयोग करते हुए उपहार खरीदते हैं और सीधे उन्हें अपने प्रियजनों के घर तक पहुंचाते हैं। यह समय और ऊर्जा की बचत के साथ-साथ प्रदूषण कम करने में भी मदद करता है।गिफ्ट बास्केट

3. वर्चुअल पूजा और वीडियो कॉलिंग : कोविड-19 महामारी के दौरान वर्चुअल मीटिंग्स और ऑनलाइन पूजा की शुरूआत हुई, जिसे 'डिजिटल दिवाली' का एक प्रमुख हिस्सा माना जा सकता है। इसमें लोग वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ऐप्स के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़ते हैं और सामूहिक रूप से पूजा करते हैं।

4. इको-फ्रेंडली फायरवर्क्स : डिजिटल दिवाली के तहत ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर वर्चुअल फायरवर्क्स भी एक लोकप्रिय विकल्प है। इससे वास्तविक पटाखों से होने वाले प्रदूषण को कम किया जा सकता है। कई ऐप्स और वेबसाइट्स पर 3D एनिमेशन के माध्यम से वर्चुअल फायरवर्क्स दिखाए जाते हैं।

5. सोशल मीडिया के माध्यम से जागरूकता : सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का उपयोग कर पर्यावरण संरक्षण, इको-फ्रेंडली दिवाली और कम से कम प्रदूषण फैलाने के संदेश को बढ़ावा दिया जाता है। लोग अपने विचार, सुझाव और उत्सव के पलों को ऑनलाइन साझा करते हैं, जो एक स्वस्थ और प्रगतिशील समाज के निर्माण में मददगार होते हैं।

डिजिटल दिवाली के लाभ

इसके जरिए पटाखों से होने वाले वायु और ध्वनि प्रदूषण को कम करने में मदद मिलती है। वहीं आज के व्यस्त दौर में ये किफायती और समय की बचत भी करता है। कम खर्चीले और आसान तरीकों से दिवाली का उत्सव मनाया जा सकता है साथ ही आप दूरदराज़ बैठे दोस्तों और रिश्तेदारों से भी मिल सकते हैं। डिजिटल दिवाली न केवल तकनीकी प्रगति का एक उदाहरण है, बल्कि यह पर्यावरण और सामाजिक जागरूकता को भी बढ़ावा देती है। इस प्रकार के उत्सव से हम अपने परंपरागत त्योहारों को आधुनिकता और जागरूकता के साथ मनाते हैं, जिससे आने वाली पीढ़ी को एक स्वस्थ और सुरक्षित पर्यावरण प्राप्त हो सके। हालांकि, अभी ये एक कम प्रचलित अवधारणा है और दिवाली जैसे त्योहारों को अब भी लोग पारंपरिक तरीके से मनाने में ज्यादा विश्वास रखते हैं। ये पूरी तरह व्यक्तिगत अभिरूचि और आस्था का मामला है और उसी के अनुसार लोग पर्व त्योहार मनाए जाते हैं।

सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब

उन्नत प्रौद्योगिकी और ग्रामीण शिक्षा के लिए उपकरण

विजय गर्ग

गांवों भारत की अनिवार्य जरूरतों हैं। इन गांवों में कृषि पर ज्यादा निर्भर हैं। गांवों में कम महत्व शिक्षा के लिए दिया जाता है। शिक्षा के क्षेत्र में ग्रामीणों के हित को बढ़ाने के लिए सरकार ने निः शुल्क भोजन, मुफ्त किताबें, छात्रवृत्ति और अन्य प्रोत्साहन जैसे कई सुविधाएं उपलब्ध कराने के द्वारा ग्रामीण स्कूलों की सुविधा है। सरकार ने भी / पैदा करने के लिए एक गुणवत्ता शिक्षा के माहौल में सुधार की दिशा में की सुविधा है। कई शोध और अध्ययन गांव शिक्षा में सुधार के लिए जगह ले लिया है और ग्रामीण शिक्षा की समस्याओं को हल करने के लिए। सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों और उनकी शिक्षा व्यवस्था निजी समुदायों और सरकारी एजेंसियों से कई का समर्थन कर रहे गांवों को विकसित करने के लिए कई मायनों में कोशिश कर रहा है। वे आधारभूत संरचना उपलब्ध कराने के लिए और गांव जीवन शैली में सुधार लाने के लिए ईमानदारी से प्रयास लगा रहे हैं लेकिन कुछ ग्रामीणों बुनियादी जरूरतों के इन सुविधाएं.सृजन उन सभी के लिए प्रधानमंत्री महत्व का है का उपयोग करने में सक्षम नहीं हैं। ग्रामीण जीवन गुणवत्ता वाले भोजन, आराम से आश्रय, अच्छे स्वास्थ्य, वित्त, दिशा निर्देशों और सामान्य ज्ञान का अभाव है। इसलिए, गांवों में गरीबी, अशिक्षा और बेरोजगारी से पूरी तरह से ठीक करने में सक्षम नहीं हैं।

गांव के लोगों को निर्णय लेने, समस्या को हल करने, गणितीय और विश्लेषणात्मक क्षमता में मजबूत नहीं कर रहे हैं। इस स्थिति के लिए मुख्य कारणों में से एक गुणवत्ता और पर्याप्त शिक्षा नहीं होने, है। गांव छात्र शिक्षा की दिशा में गुणवत्ता की शिक्षा और मार्गदर्शन की जरूरत है। इस प्रतियोगी दुनिया में, अकेले किताबें ज्ञान पाने, विषय को समझने के लिए और उनके बुनियादी शिक्षा की जरूरत को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। सचमुच, ग्रामीण छात्रों को काफी उत्साहित हैं और कठिन प्रकृति में काम कर रहे। उनके प्रयासों को सही दिशा में चैनल कर रहे हैं, तो गांव के विकास के लिए स्वचालित रूप से होता है। विशेषज्ञों प्रशिक्षण, उचित मार्गदर्शन, सही दिशा और पर्याप्त / विशेषज्ञ अध्ययन सामग्री ग्रामीण शिक्षा में सुधार कर सकते हैं। बदले में, इन सुधारों ग्रामीण भारत से गरीबी, बेरोजगारी और कई अन्य बीमारियों को दूर करने में परिणाम होगा। तो बुनियादी समाधान कर रहे हैं: उचित और गुणवत्ता की शिक्षा, सही दिशा और उपयुक्त दिशानिर्देश।

हम ऊपर चर्चा की, जो ग्रामीण स्कूलों की समस्याओं को भी मानकीकरण और वैश्वीकरण द्वारा हल किया जा सकता है। ग्रामीण स्कूलों के लिए शिक्षा के घटकों उचित तकनीक के साथ भूमंडलीकरण चाहिए गुणवत्ता और मानकीकृत सामग्री के साथ मानकीकृत किया जाना चाहिए।

वैश्वीकरण और मानकीकरण सामग्री प्रक्रिया ग्रामीण शिक्षा घटकों जैसे पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए के रूप में:

* विशेषज्ञता शिक्षा और गुणवत्ता का अध्ययन सामग्री
* विशेषज्ञों का मार्गदर्शन और सीखने की दिशा में सही दिशा
* हाल के रुझानों और अवसरों के बारे में ज्ञान को साझा करना
* आधुनिक दुनिया का एक्सपोजर
* नौकरी उन्मुख पाठ्यक्रमों को संचालित करने की दिशा में उचित मार्गदर्शन
* मांग ज्ञान पर।

हम इन सामग्रियों भूमंडलीकरण उन्नत प्रौद्योगिकी और उपकरणों के कुछ प्रस्ताव कर रहे हैं।

वेः

वर्चुअलाइजेशन प्रौद्योगिकियों

क्लाउड कंप्यूटिंग प्रौद्योगिकी और

मुडल उपकरण।

वर्चुअलाइजेशन और बादल कंप्यूटिंग प्रौद्योगिकियों वस्तुतः मांग शिक्षा, अध्ययन सामग्री, पुस्तकालयों, ज्ञान और दिशा निर्देशों पर प्रदान करने में मदद करता है।मुडल इंटरैक्टिव सीखने में मदद करता है। प्रौद्योगिकी और उपकरणों और इसके लाभों में प्रगति ग्रामीण आवेदन पर गौर करने और उनकी समस्याओं का कुछ हल करने के लिए हमें प्रेरित करती है।

ग्रामीण शिक्षा प्रणाली ई-लर्निंग प्रौद्योगिकियों के कार्यान्वयन की जरूरत है। ग्रामीण स्कूलों विशेष विषय को पढ़ाने के लिए ब्लैक बोर्ड का उपयोग कर रहे थे। बाद में, शिक्षण और प्रशिक्षण भी टीवी और रेडियो चैनलों की तरह संचार माध्यम के माध्यम से होता है। वर्तमान में, के कारण गति और वर्चुअलाइजेशन, बादल प्रौद्योगिकियों और मुडल भी छात्रों को कहीं भी किसी भी समय पर सेवाओं की मांग राशि पर प्राप्त कर सकते हैं, जहां ग्रामीण शिक्षा प्रणाली में लागू किया जा सकता है जैसे उच्च कवरेज के साथ, उन्नत इंटरनेट प्रौद्योगिकी और उपकरणों के लिए सम्मान के साथ इंटरनेट प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रगति करने के लिए। इसलिए, हम ग्रामीण स्कूल शिक्षा प्रणाली के लिए वर्चुअलाइजेशन, बादल प्रौद्योगिकियों और मुडल के औजार की तरह इंटरनेट आधारित प्रौद्योगिकी और उपकरणों के प्रस्ताव कर रहे हैं। इन प्रौद्योगिकियों और उपकरणों प्रगति कई मायनों में समाज और लोगों के लिए फायदेमंद होते हैं। ग्रामीण शिक्षा के लिए वर्चुअलाइजेशन प्रौद्योगिकियों स्कूल शिक्षा के लिए डेस्कटॉप / हार्डवेयर वर्चुअलाइजेशन डेस्कटॉप / हार्डवेयर वर्चुअलाइजेशन पैसे, बुनियादी सुविधाओं, किसी भी स्कूल को इंटरनेट पर वर्चुअल मशीन का उपयोग कर सकते हैं जहां विशेषज्ञता सामग्री, त्वरित विशेषज्ञता और ग्रामीण स्कूल में छात्र की विषय सामग्री के चयन अस्पष्टत पोर्टल डेस्कटॉप / हार्डवेयर वर्चुअलाइजेशन की कमी को हल कर सकते हैं। इन आभासी मशीनों स्कूल सॉफ्टवेयर, अध्ययन सामग्री, प्रस्तुति स्लाइड और वीडियो आदि अध्ययन आभासी मशीन के छात्रों के लिए बनाया जाता है एक बार, किसी भी स्कूल में उन वी एम एस का उपयोग कर सकते है। यह शिक्षण में मानक, विशिष्टता, गुणवत्ता प्राप्त होता है। ग्रामीण छात्रों विशेषज्ञ शिक्षण सामग्री है जो इन आभासी मशीनों का उपयोग कर सकते हैं। यह छात्रों के साथ अध्ययन सामग्री विशेषज्ञता अध्ययन सामग्री जगह कर सकते हैं और शिक्षक शिक्षण वीडियो खेल सकते हैं और साझा जहां शिक्षा देने के लिए एक साझा आम मशीन है। स्कूल शिक्षा के लिए भंडारण वर्चुअलाइजेशन भंडारण वर्चुअलाइजेशन, उत्कृष्ट अध्ययन सामग्री, सॉफ्टवेयर, प्रशासन जानकारी, रचनात्मक प्रयोगों और आदि ग्रामीण स्कूल सिमुलेशन विशेषज्ञ महत्वपूर्ण डाटा, अध्ययन सामग्री, ज्ञान, निर्देश, दिशा जगह कर सकते हैं जहां केंद्रीकृत भंडारण करने के लिए प्रमाणीकृत इंटरनेट उपयोग करने के लिए केंद्रीकृत भंडारण प्रदान करता है छात्र जानकारी और आदि इसलिए हम शिक्षा प्रणाली में मानकों, विशिष्टता और गुणवत्ता प्राप्त कर सकते हैं। यह स्कूलों के रूप में लाभ हो रहा है: दुकान विशेषज्ञों अध्ययन सामग्री के लिए एकल भंडारण, छात्र प्रशासन और शिक्षा के विवरण का ट्रैक रखने के लिए, अध्ययन सामग्री साझा करने के लिए, डिजिटल लाइब्रेरी बनाने के लिए और रखरखाव कम कर दिया। ग्रामीण स्कूल अंत में, केवल प्रोजेक्टर स्क्रीन और इंटरनेट कनेक्शन का उपयोग संग्रहीत डेटा की जरूरत है।

वर्चुअलाइजेशन स्थापना प्रक्रिया: हम तीन आसान कदम में ग्रामीण शिक्षा प्रणाली में वर्चुअलाइजेशन प्रौद्योगिकी स्थापित कर सकते हैं। मैं क्षेत्र के लिहाज से डेटासेंटर, भंडारण क्षेत्र और सर्वर स्थापित करने की आवश्यकता। द्वितीय। सामग्री, वीडियो का विषय है और कई के साथ एक मास्टर आभासी मशीन और भंडारण डिस्क बनाने की आवश्यकता है? तृतीय। बैकअप मास्टर आभासी मशीन बनाने की आवश्यकता। मास्टर वीएम से कई ग्राहक आभासी मशीन बनाने और ग्रामीण स्कूलों के लिए उन लोगों के लिए उपलब्ध है। ग्रामीण स्कूल अंत में, शिक्षक प्रोजेक्टर स्क्रीन का उपयोग कर छात्रों के सामने इंटरनेट और वर्तमान के माध्यम से इन सामग्रियों का उपयोग कर सकते हैं। यह छोटी अवधि में जानने के लिए सक्षम बनाता है छात्र शिक्षकों को तैयार करने के लिए समय की बचत होती है, अध्ययन गुंजाइश सीमा का विस्तार आदि ग्रामीण शिक्षा के लिए क्लाउड कंप्यूटिंग प्रौद्योगिकियों वर्चुअलाइजेशन क्लाउड कंप्यूटिंग प्रौद्योगिकी के लिए एक आधार है। इस प्रौद्योगिकी सेवाओं के रूप में सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर, बुनियादी ढांचे और भंडारण प्रदान करता है।

हुंडई के IPO ने किया निराश, डिस्काउंट के साथ हुई लिस्टिंग

परिवहन विशेष न्यूज

हुंडई मोटर इंडिया का आईपीओ पिछले काफी समय से चर्चा में था। इसे कंपनी ने देश के सबसे बड़े आईपीओ के तौर पर प्रचारित किया। लेकिन इसे निवेशकों का काफी ठंडा रिस्पॉन्स मिला। खासकर रिटेल इन्वेस्टर्स ने ऊंचे वैल्यूएशन को देखते हुए आईपीओ से दूरी बनाकर रखी। इसने लिस्टिंग पर भी निराश किया। इसकी शेयर मार्केट में एंट्री 1.33 फीसदी डिस्काउंट के साथ हुई।

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े आईपीओ हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (Hyundai Motor Iindia Limited) की आज शेयर मार्केट में एंट्री हो गई। यह 1.33 फीसदी डिस्काउंट के साथ 1934 रुपये प्रति शेयर पर लिस्ट हुआ। इसका मतलब कि निवेशकों को लिस्टिंग पर कोई मुनाफा मिलने की जगह नुकसान हुआ। हालांकि, लिस्टिंग के बाद थोड़ी खरीदारी दिखी।

यह आईपीओ अपने साइज, वैल्यूएशन और जीएमपी को लेकर काफी चर्चा में रहा। हालांकि, इसे सब्सक्रिप्शन के लिहाज से अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिला। खासकर, रिटेल इन्वेस्टर ने इस आईपीओ से दूरी बनाकर रखी।

हुंडई पर बुलिश हैं ग्लोबल एनालिस्ट

हुंडई को लेकर ग्लोबल एनालिस्ट का रुख काफी पॉजिटिव है। दो ग्लोबल एनालिस्ट ने लिस्टिंग से पहले ही हुंडई के कवरेज की शुरुआत कर दी है और उनका रुख काफी बुलिश है। जापानी ब्रोकरेज फर्म नोमुरा ने हुंडई पर BUY रेटिंग के साथ कवरेज शुरू किया है। उसने 2,472 रुपए का टारगेट प्राइस दिया है।

वहीं, ऑस्ट्रेलियाई इन्वेस्टमेंट बैंक-मैक्वायरी (Macquarie) ने हुंडई को आउटपरफॉर्म की रेटिंग दी है। उसने टारगेट प्राइस 2,235 रुपये रखा है। यह हुंडई आईपीओ के इश्यू प्राइस के मुकाबले 26 फीसदी से अधिक है।

Hyundai Motor में क्या खास है?

नोमुरा का कहना है कि भारतीय कार इंडस्ट्री में ग्रोथ की काफी गुंजाइश है। फिलहाल, देश में हर 1000 लोगों में से सिर्फ 36 के पास कार हैं। ऐसे में यह सेक्टर काफी तेजी से बढ़ सकता है। हुंडई इंडिया को FY25-27 के बीच 8 फीसदी वॉल्यूम ग्रोथ की उम्मीद है। इस दौरान हुंडई 7-8 नए मॉडल बाजार में पेश करेगी।

वहीं, मैक्वायरी ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि Hyundai Motor पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट के ग्रोथ पर बड़ा दांव लगा रही है। एनालिस्ट ने कहा कि यह अपने सेक्टर की प्रतिद्वंद्वी कंपनियों के मुकाबले प्रीमियम मल्टीपल पर ट्रेड करने की स्थिति में है। ब्रोकरेज का मानना है कि आने वाले समय में हुंडई को ऑपरेशनल एफिशिएंसी का भी लाभ मिलेगा।

Hyundai Motor IPO की डिटेल

हुंडई का आईपीओ 15 अक्टूबर को सब्सक्रिप्शन के लिए खुला और 17 अक्टूबर को बंद हुआ। इस इश्यू का प्राइस 1960 रुपये था। इसे निवेशकों से कोई खास रिस्पॉन्स नहीं मिला। यह कुल 2.37 गुना ही सब्सक्रिप्शन हुआ। रिटेल कैटेगरी में इसे 50 फीसदी ही सब्सक्रिप्शन मिला।

दरअसल, हुंडई का यह आईपीओ पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल था। इसका मतलब कि आईपीओ से मिलने वाला पूरा पैसा प्रमोटर को मिलेगा और उसे कंपनी का कारोबार बढ़ाने के लिए खर्च नहीं किया जाएगा। ऑटो सेक्टर की बिक्री भी डाउन है। हुंडई का जीएमपी भी एक वक्त नेगेटिव में पहुंच गया था। इस सबका असर सब्सक्रिप्शन पर पड़ा था।

घाटे से 928 करोड़ के मुनाफे में आई पेटीएम, फिर भी शेयरों में भारी गिरावट क्यों

परिवहन विशेष न्यूज

पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस को मौजूदा वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में 928.3 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी 290.5 करोड़ रुपये के घाटे में थी। हालांकि इस मजबूत वित्तीय नतीजे के बावजूद पेटीएम के शेयरों में 7 फीसदी तक की भारी गिरावट देखने को मिली। आइए जानते हैं कि इसकी वजह क्या है।

नई दिल्ली। फिनटेक कंपनी पेटीएम ने वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के नतीजे पेश कर दिए हैं। विजय शेखर शर्मा की कंपनी को जुलाई-सितंबर तिमाही में 930 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ। एक साल पहले की समान अवधि में पेटीएम घाटे में थी। हालांकि, इस उल्लेखनीय उपलब्धि के बावजूद पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस के शेयरों में शुरुआती कारोबार के दौरान 7 फीसदी से अधिक का उछाल देखने को मिला।

दूसरी तिमाही में पेटीएम का प्रदर्शन

पेटीएम का दूसरी तिमाही के दौरान ऑपरेशनल रेवेन्यू 1,659.5 करोड़ रुपये रहा। यह एक साल पहले की तुलना में 34 फीसदी कम है। पेटीएम का टैक्स से पहले का घाटा भी सालाना आधार पर 273.3 करोड़ रुपये से बढ़कर 406.5 करोड़ रुपये हो गया।

हालांकि, इस तिमाही के दौरान पेटीएम ने अपना टिकटिंग बिजनेस दीपिंदर गोयल की फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो को बेच दिया। इस सौदे से पेटीएम को 1,345.4 करोड़ रुपये का असाधारण लाभ हुआ। इसकी वजह से पेटीएम का कर से पहले लाभ 938.9 करोड़ रुपये हो गया। यह पिछले साल की समान अवधि में 279 करोड़ रुपये के नुकसान से काफी बेहतर है।

पेटीएम के ग्राहकों की संख्या

पेटीएम ने अपने प्रमुख वित्तीय सेवा ग्राहकों की संख्या की जानकारी देनी शुरू कर दी है। कंपनी ने बताया कि दूसरी तिमाही के दौरान 6 लाख ग्राहकों ने वित्तीय सेवाओं का लाभ उठाया। यह पिछली तिमाही के 5,90,000 से अधिक है। सितंबर 2024 तक पेटीएम की मर्चेंट सदस्यता 11.2 मिलियन तक पहुंच गई।

तिमाही के लिए सकल व्यापारिक मूल्य (GMV) 4.5 ट्रिलियन रुपये रहा, जो तिमाही आधार पर 5 फीसदी अधिक है। पेटीएम के मुताबिक, वह अपने पेमेंट प्रोसेसिंग मार्जिन में उल्लेखनीय सुधार करने में सफल रही। कंपनी ने उम्मीद जताई कि यह पूरे साल के लिए 5-6 आधार अंकों की सीमा में रहेगा।

पेटीएम के शेयरों में गिरावट क्यों

पेटीएम के लिए दूसरी तिमाही के वित्तीय नतीजे काफी सकारात्मक रहे। कंपनी ने मुनाफे की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। अपने फाइनेंशियल मैट्रिक्स में सुधार किए हैं। लेकिन, शेयर मार्केट में निवेशकों की प्रतिक्रिया से पता चलता है कि उनका रुख अभी भी कंपनी को लेकर काफी सतर्क है। खासकर कंपनी के संचालन से घटते राजस्व और पिछली विनियामक चुनौतियों के मद्देनजर।

नतीजों के बाद पेटीएम के शेयर 7 फीसदी तक फिसल गए। हालांकि, बाद में इसमें रिकवरी दिखी। दोपहर 1.15 बजे तक पेटीएम के शेयर 3.91 फीसदी की गिरावट के साथ 697.60 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। पिछले एक साल में पेटीएम से निवेशकों को करीब 25 फीसदी का नुकसान हुआ है। लेकिन, बीते 6 महीनों में इसने 85 फीसदी का रिटर्न दिया है।

लखटकिया बनने वाली है चांदी, कीमतों में क्यों आ रहा तेज उछाल?

परिवहन विशेष न्यूज

चांदी का भाव 1 लाख रुपये प्रति किलो के करीब पहुंच गया है। पिछले कुछ समय के दौरान चांदी के भाव में भारी उछाल आया है। मंगलवार को ही चांदी की कीमत में 5000 रुपये की तेजी आई है। आइए जानते हैं कि चांदी की कीमतों के उछाल की क्या वजह है और क्या तेजी आगे भी बनी रहेगी।

नई दिल्ली। पिछले कुछ समय से चांदी के भाव में जोरदार तेजी देखी जा रही है। यह लखटकिया बनने के बेहद करीब है। मंगलवार को चांदी की कीमतों में 5000 रुपये का भारी उछाल आया और 99,500 रुपये प्रति किलो (Silver Price Today) के स्तर पर पहुंच गई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2024 में सोने और चांदी की कीमतों पर कस्टम ड्यूटी घटाई थी। इससे सोने और चांदी के भाव (Gold-silver Price Update) में कुछ कमजोरी दिखी थी। लेकिन, अब दोनों कीमती धातुओं की कीमत आसमान छू रही है।

चांदी के भाव में तेजी क्यों?

कमोडिटी मार्केट के जानकारों का कहना है कि औद्योगिक मांग में तेजी के चलते चांदी की कीमतों में भारी उछाल आया है। साथ ही, इसे सोने के भाव (Gold-silver Rate) में तेज उछाल का भी फायदा मिल रहा है। नई पीढ़ी में चांदी के गहने पहनने का चलन भी बढ़ रहा है। चांदी की तेजी का रुख मजबूत दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि निवेशक गिरावट को खरीदारी के मौके के तौर पर लेते रहेंगे। इससे आने वाले सत्रों में चांदी को अच्छा समर्थन मिलेगा।

सोने की कीमतों में उछाल की वजह से खुदरा खरीदार तेजी से चांदी का रुख कर रहे हैं। उनका मानना है कि चांदी मौजूदा स्तर पर सोने का अच्छा विकल्प है। खासकर, जब सोना 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम को छू रहा है। चांदी को किफायती कीमती धातु होने का फायदा मिल रहा है। साथ ही, इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) सेक्टर और फोटोवोल्टिक एप्लिकेशंस की बढ़ती मांग के चलते भी इसमें तेजी दिख रही है। इससे मध्यम से लंबी अवधि में चांदी की मजबूत वैश्विक मांग बने रहने की उम्मीद है।

चांदी का इस्तेमाल कहां होता है?

सोने और चांदी का जिक्र भले ही एक साथ आता है, लेकिन दोनों का इस्तेमाल काफी अलग है। गोल्ड की पहचान जेवरात, निवेश और मुद्रास्फीति के खिलाफ कारगर हथियार तौर पर है। वहीं, चांदी का ज्यादातर औद्योगिक क्षेत्र में इस्तेमाल होता है।

सोने के मुकाबले चांदी कम दुर्लभ है। इसका कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री में काफी यूज होता है। यह इलेक्ट्रिक स्विच, सोलर पैनल और RFID चिप्स का प्रमुख हिस्सा है। चांदी का तकरीबन सभी कंप्यूटर, मोबाइल फोन, ऑटोमोबाइल और इक्विपमेंट में इस्तेमाल होता है।

चांदी की डिमांड बढ़ने की वजह

चांदी की इंडस्ट्रियल डिमांड के साथ गहनों के लिए भी मांग बढ़ रही है। युवा पीढ़ी चांदी से बने गहने काफी पसंद कर रही है। खासकर हाथ, गले और पैरों में पहने जाने वाली ज्वैलरी। साथ ही, सरकार रिन्यूएबल एनर्जी पर काफी फोकस कर रही है। इससे भी चांदी की डिमांड बढ़ी है, क्योंकि यह सोलर पैनल का एक अहम हिस्सा है।

एक्सपर्ट के मुताबिक, अब चांदी के दाम में लगातार तेजी आएगी। चांदी का फोटोवोल्टिक्स (पीवी) के रूप में दुनियाभर में इस्तेमाल बढ़ रहा है। यह तकनीक धूप को सीधे बिजली में कन्वर्ट करती है। यह सबसे बड़ा संकेत है कि चांदी की तेज डिमांड बनी रहेगी और उसकी कीमतों में उछाल आएगा।

रेपो रेट बढ़ाने से महंगाई घटाने में मिली मदद, खपत से निजी निवेश में आई तेजी

दुनियाभर के केंद्रीय बैंक नीतिगत ब्याज दरों में कटौती कर रहे हैं। लेकिन आरबीआई ने फरवरी 2023 से रेपो दर को 6.5 फीसदी पर जस का तस रखा है। आरबीआई बुलेटिन के मुताबिक मई 2022 से प्रमुख नीतिगत दर में 2.5 प्रतिशत की कुल बढ़ोतरी से मुद्रास्फीति को 1.60 प्रतिशत तक कम करने में मदद मिली है। खाद्य महंगाई खासकर सब्जियों के भाव ने आरबीआई की मुश्किलें बढ़ा रखी हैं।

नई दिल्ली। भारत में निजी निवेश लगातार बढ़ रहा है। इसकी वजह कारोबार को लेकर बढ़ती उम्मीद है। साथ ही, मौजूदा त्योहारी सीजन में कंजम्पशन डिमांड भी बढ़ी है। आरबीआई के अक्टूबर बुलेटिन के मुताबिक, देश के वृद्धि परिदृश्य को विकास को गति देने वाले घरेलू 'इंजन' से समर्थन मिल रहा है।

आरबीआई बुलेटिन में प्रकाशित 'अर्थव्यवस्था की स्थिति' पर लेख में कहा गया है कि 2024-25 की दूसरी तिमाही में अस्थाई नरमी दिखी है। लेकिन, देश में कुल मांग इससे पार पाने को पूरी तरह से तैयार है। इसका कारण त्योहारी मांग में तेजी और उपभोक्ता भरोसे में सुधार है। इसके अलावा, कृषि परिदृश्य में सुधार के साथ ग्रामीण मांग को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

लेख में कहा गया है, 'खपत मांग में तेजी के संकेतों और कारोबार को लेकर बढ़ती उम्मीद से निजी निवेश में तेजी आनी चाहिए।' मजबूत बही-खाते के साथ वित्तीय क्षेत्र संसाधनों से लैस होकर निवेश को लेकर तैयार है। इसके साथ सरकार का पूंजीगत व्यय पर लगातार जोर है। इससे कुल मिलाकर निवेश का दृष्टिकोण उज्ज्वल दिखाई देता है।

रेपो रेट बढ़ने से मुद्रास्फीति घटी

आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देबब्रत पात्रा की अगुआई वाली एक टीम के लिखे लेख में कहा गया है, "वैश्विक अर्थव्यवस्था 2024 की पहली छमाही में मजबूत रही। मुद्रास्फीति में गिरावट से घरेलू खर्च को समर्थन मिला।

आरबीआई के मई, 2022 से प्रमुख नीतिगत दर में 2.5 प्रतिशत की कुल बढ़ोतरी से मुद्रास्फीति को 1.60 प्रतिशत तक कम करने में मदद मिली है। लेख के मुताबिक, 'नीतिगत दर में वृद्धि ने मुद्रास्फीति को स्थिर किया और कुल मांग को नियंत्रित किया, जिससे अवस्फीतिकारी प्रतिक्रियाएं हुईं।

लंबे वक्त से रेपो रेट में कटौती नहीं

रिजर्व बैंक ने महंगाई पर काबू पाने के लिए लंबे वक्त रेपो रेट में बदलाव नहीं किया है, जबकि दुनियाभर के केंद्रीय बैंक नीतिगत ब्याज दरों में कटौती कर रहे हैं। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास का कहना है कि अभी हमारा पूरा ध्यान महंगाई घटाने पर है। केंद्रीय बैंक आगामी दिसंबर की मौद्रिक नीति समीक्षा में ब्याज दरों में कटौती का संकेत दिया था, लेकन सितंबर में खुदरा मुद्रास्फीति बढ़ने से आरबीआई अपने इरादों पर दोबारा विचार कर सकता है।

सितंबर में खुदरा महंगाई दर सालाना आधार पर 5.49 प्रतिशत तक बढ़ गई। यह इजाफा खाने-पीने के चीजों का दाम लगातार बढ़ने से हुआ। खुदरा महंगाई दर अगस्त में 3.65 फीसदी थी, जो इसका पांच साल का सबसे निचला स्तर था।

अपडेट हुए पेट्रोल-डीजल के दाम, फटाफट चेक करें लेटेस्ट फ्यूल रेट

नई दिल्ली। सरकारी तेल कंपनियां हर रोज सुबह 6 पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपडेट करती हैं। यह सिलसिला साल 2017 से जारी है। सरकार ने तेल कंपनियों को कच्चे तेल की कीमतों के हिसाब से प्राइस तय करने की छूट दे रखी है। हालांकि, मार्च 2024 के बाद से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। तेल कंपनियों ने 22 अक्टूबर 2024 (मंगलवार) यानी आज के लिए पेट्रोल-डीजल के दाम जारी कर दिए हैं। आज भी इनकी कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। हालांकि, देश के सभी शहरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में अंतर होता है। ऐसे में गाड़ीचालक को लेटेस्ट रेट चेक करने के बाद ही टंकी फुल करवानी चाहिए। आइए इंटरनेशनल मार्केट में ब्रेंट क्रूड और आपके शहर में एक लीटर पेट्रोल-डीजल का क्या भाव है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में मामूली गिरावट आई है। यह 0.32 फीसदी घटकर 74.05 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है। वहीं, पिछले पांच दिन में 1.52 फीसदी सस्ता हुआ है। बीते 6 महीने का आंकड़ा देखें, तो क्रूड ऑयल की कीमतों में 15 फीसदी की गिरावट आई है। हालांकि, पिछले एक महीने से भूराजनीतिक तनाव के चलते कच्चे तेल के दाम में तेजी का रुख देखने को मिल रहा था।

महानगरों में पेट्रोल-डीजल के दाम

दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर है।

मुंबई में पेट्रोल की कीमत 103.44 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 89.97 रुपये प्रति लीटर है।

कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 104.95 रुपये प्रति लीटर और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है।

चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है।

अन्य शहरों में पेट्रोल-डीजल के दाम

नोएडाः पेट्रोल 94.83 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.96 रुपये प्रति लीटर

निवेशकों के 9 लाख करोड़ डूबे; शेयर मार्केट में किस वजह से आई सुनामी?

परिवहन विशेष न्यूज

भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को भारी गिरावट देखने को मिली। दोनों प्रमुख सूचकांक- सेसेंक्स और निफ्टी में 1-1 फीसदी से अधिक गिरावट आई। स्मॉलकैप और मिडकैप इंडेक्स 4 फीसदी तक गिर गए। सेंसेक्स टॉप 30 में सिर्फ 1 स्टॉक हरे निशान में रहा। निवेशकों के 9 लाख करोड़ डूब गए। आइए जानते हैं कि किस वजह से क्रैश हुआ भारतीय शेयर बाजार।

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में आज भारी गिरावट देखने को मिल रही है। सेंसेक्स 930 अंक और निफ्टी 303 अंक तक गिरकर बंद हुआ। कई स्टॉक में करीब 5 तक गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स टॉप 30 में सिर्फ ICICI बैंक, नेस्ले इंडिया और इन्फोसिस में मामूली तेजी दिखी। बाकी 27 कंपनियों के शेयर लाल निशान में बंद हुए।

भारतीय शेयर मार्केट में आज की गिरावट से निवेशकों की 9 लाख करोड़ की संपत्ति स्वाहा हो गई। स्मॉलकैप और मिडकैप इंडेक्स 4 फीसदी तक गिर गए हैं। आइए जानते हैं कि भारतीय बाजार में इस सुनामी की वजह क्या है।

कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजे

भारतीय बाजार और कई कंपनियों का मूल्यांकन काफी अधिक है। लेकिन, बहुत-सी कंपनियों के नतीजे उनके वैल्यूएशन को जस्टिफाई नहीं कर रहे। बजाज ऑटो, कोटक महिंद्रा बैंक और आरबीएल बैंक इसकी मिसाल हैं। इन सभी के शेयरों में तिमाही नतीजों के बाद भारी गिरावट देखने को मिली थी। रिलायंस इंडस्ट्रीज के तिमाही नतीजों से भी निवेशक खुश नहीं दिखे।

विदेशी निवेशकों की बिकवाली

फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टर्स (FPI) भारतीय शेयर बाजार में लगातार बिकवाली कर रहे हैं। अक्टूबर में अब तक FPI ने भारतीय इक्विटी से रिकॉर्ड 82,479 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे पहले मार्च 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान FPI ने 65,816 करोड़ रुपये मूल्य के भारतीय शेयर बेचे थे। हालांकि, डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (DII) खरीदारी से इस नुकसान की भरपाई हो रही, लेकिन वो अभी नाकाफी दिख रही है।

भारतीय बाजार का ऊंचा वैल्यूएशन

भारतीय शेयर बाजार का मूल्यांकन भी काफी अधिक है। यही वजह है कि विदेशी निवेशक चीन और हांगकांग जैसे बाजारों का रुख कर रहे हैं, जो अपेक्षाकृत सस्ते हैं। चीन के सरकार ने वित्तीय प्रोत्साहन पैकेज का भी एलान किया है। साथ ही, वहां के केंद्रीय बैंक ने नीतिगत ब्याज दरों में भी कटौती की है। इससे चीन का शेयर बाजार निवेश के लिए और भी ज्यादा आकर्षक बनता जा रहा है। वहीं, भारतीय बाजार डांवाडोल नजर आ रहा है।

दिल्ली में सड़कों की सफाई के लिए एमसीडी के 6200 सफाई कर्मचारी को लगाया जाएगा: गोपाल राय

सुषमा रानी, नई दिल्ली

22 अक्टूबर दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली में ठंड बढ़ने और हवा की गति कम होने के कारण दिल्ली में प्रदूषण बढ़ रहा है। तेजी से तापमान कम हो रहा है और हवा की गति भी काफी कम है। सीएक्यूएम ने ग्रेप-2 लागू करने का निर्देश दिया था जिसे दिल्ली में लागू किया गया है। दिल्ली में कई जगहों पर एक्यूआई का स्तर काफी बढ़ रहा है। उसे कैसे नियंत्रित किया जाए और ग्रेप-2 के नियमों को और सख्ती से कैसे लागू किया जाए, उसके लिए मंगलवार को सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ संयुक्त मीटिंग की। मंत्री गोपाल राय ने बताया कि हॉटस्पॉट पर सघन निगरानी का निर्देश दिया गया है। डस्ट सप्रेसेंट मिलाकर हॉट स्पॉट पर पानी के छिड़काव करने का निर्देश दिया गया है। दिल्ली में सड़कों की सफाई के लिए एम सी डी के 6200 सफाई कर्मचारी को लगाया जाएगा। साथ ही यातायात के सुचारू प्रवाह और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर 1800 ट्रैफिक पुलिस की तैनाती की गई है। सभी सरकारी विभागों, प्राइवेट एजेंसी, कंस्ट्रक्शन साइट को निर्देश दिया गया है कि रात की ड्यूटी पर तैनात सिक्योरिटी गार्ड को हीटर उपलब्ध करवाएं। दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन मेट्रो और सी एन जी /इलेक्ट्रिक बस सेवा की फ्रीक्वेंसी बढाई जाएंगी।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि वाटर सप्रिंकलिंग करने वाले सभी संबंधित विभागों को आदेश दिया गया है कि वे पानी के छिड़काव में तेजी लाएं और डस्ट सप्रेसेंट्स मिलाकर हॉटस्पाट में छिड़काव करें। पीडब्ल्यूडी को आदेश दिया है कि वे मोबाइल एंटी स्मॉग गन की तैनाती निर्माण कार्य स्थलों तथा धूल वाले स्थलों पर भी करें। उन्होंने आगे कहा कि हॉट स्पॉट पर कोऑर्डिनेशन टीम को प्रतिदिन दौरा करने का निर्देश दिया गया है। एंटी डस्ट टीम को प्रतिदिन कम से कम दो सी एंड डी साइट का निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया है।

पर्यावरण मंत्री ने बताया कि 'ग्रेप 2' के कार्यान्वयन के तहत डीटीसी और मैट्रो को फ्रीक्वेंसी और फेरे बढ़ाने के निर्देश जारी किए गए। इसी क्रम में डीटीसी ने फ्रीक्वेंसी बढ़ाई है, मेट्रो ने 40 फेरे बढ़ा दिए हैं। मेट्रो को आगे और ज्यादा फेरे बढ़ाने के लिए कहा गया है।

मंत्री गोपाल राय ने बताया कि यातायात के सुचारू प्रवाह और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर 1800 ट्रैफिक पुलिस की तैनाती की गई है। निजी परिवहन को हतोत्साहित करने के लिए वाहन पार्किंग शुल्क में वृद्धि को लेकर संबंधित विभाग को जरूरी कदम उठाने का निर्देश दिया गया है।

गोपाल राय ने कहा कि सरकारी विभागों, प्राइवेट एजेंसी, कंस्ट्रक्शन साइट और रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों को सुरक्षा कर्मचारियों को आवश्यक रूप से इलेक्ट्रिक हीटर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है जिससे कि वो सर्दियों के दौरान खुले में बायोमास नहीं जलाएं। इसके लिए राजस्व विभाग और डीपीसीसी को जरूरी निर्देश जारी करने का आदेश दिया गया है।

गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली के अंदर अलग-अलग जो हाटस्पाट हैं उनके निरीक्षण के दौरान मैंने यह देखा कि आनंद विहार में ए.क्यू.आई. 400 से अधिक है जबकि अन्य हॉट स्पॉट पर यह 300 के आस-पास है। इस बढ़ते ए.क्यू.आई. का मूल कारण पास के राज्यों से दिल्ली में आने वाली डीजल की बसें हैं। दिल्ली में जो बसें चलती हैं वह सीनएजी और इलेक्ट्रिक हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली से सटे राज्यों की सरकारों को पत्र लिखकर यह अनुरोध किया है कि जबतक दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बढ़ा हुआ है, वे अपनी डीजल बसों के स्थान पर सीएनजी और इलेक्ट्रिक बसों को ही भेजें।

मां गजलक्ष्मी पूजा का पालन महुल गांव में पालन हुआ

भुबनेश्वर / ढेंकनाल : ढेंकनाल जिले के कामाक्षानगर ब्लॉक के महुल पाल गांव में मां गजलक्ष्मी की पूजा की जा रही है। ढेंकनाल जिले में गांव-गांव से शहर-शहर मां महालक्ष्मी को आमंत्रित किया जा रहा है, जिससे गांव-शहर उत्सव में तब्दील हो गया है। इसी क्रम में कामाक्षानगर ब्लॉक बीलालपाल में मां गजलक्ष्मी की पूजा की जा रही है। इस गांव में महालक्ष्मी पूजा समिति 70 वर्षों से मां महालक्ष्मी की पूजा करती आ रही है, अब गांव में करीब 10 पूजामंडलों में मां की पूजा की जाती है। म्युलपाल गांव कामाक्षानगर क्षेत्र में सबसे प्राचीन लक्ष्मी पूजा के लिए प्रसिद्ध है, जबकि ग्रामीण मां के आह्वान में घूम रहे हैं। जहां बीलुपाल गांव में 10 दिनों तक मां की पूजा की जाती है, वहीं इस साल पूजा को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए विभिन्न साहियों ने अच्छी तरह से सजाई गई मुनमयी मूर्तियों के साथ बड़े जुलूस का आयोजन किया है। इस पूजा को देखने के लिए आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं और मां का आशीर्वाद नृत्य, गीत, राग आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस साल तलसाही में सुवर्ण जयंती मनाई जा रही है।

मिमिक्री और बॉटल

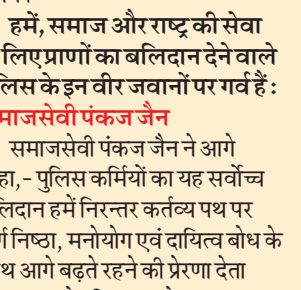

पहले की महामहिम की मिमिक्री,
तब भी घूमी थी जनता की चक्री।
हुआ था उसका भी पुरजोर विरोध,
कल्याण के लिए ही था वह क्रोध।
सोचा कि यह अब संभल जाएंगे,
कल्याण है खुद कल्याण कर पाएंगे।
पहले की महामहिम की मिमिक्री,
तब भी घूमी थी जनता की चक्री।
समझ न आता क्यों खो देते आपा?
ऐसा लगता है एक ही राग अलापा!
हे राम जेपीसी में कर दिया उतापा।
पहले की महामहिम की मिमिक्री,
तब भी घूमी थी जनता की चक्री।
कल्याण-अभिजीत की बहस तगड़ी!
पानी की बॉटल ने ऐसी राह पकड़ी।
लो बच गए अंबिका शनि हुआ वक्री,
वे स्वयं हो गए घायल अब तो अख़री।

संजय एम. तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
इंदौर (मध्यप्रदेश)
98260-25986

हमें, पुलिस के जवानों व अधिकारियों के बलिदान और बहादुरी को हमेशा याद करते हुए अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए : वरिष्ठ समाजसेवी मुशरफ खान

समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए प्राणों का बलिदान देकर अप्रतिम कर्तव्यपरायणता का परिचय देने वाले सभी पुलिसकर्मियों को नमन : वरिष्ठ समाजसेवी मुशरफ खान साहब

आगरा। पुलिस स्मृति दिवस हर साल 21 अक्तूबर को पुलिस के वीर शहीद जवानों की याद में मनाया जाता है, जो अपने कर्तव्य के लिए शहीद हो गए हैं। यह आयोजन उनकी शहादत को याद करने और उनके परिवारों को सम्मान देने का अवसर प्रदान करता है।

पुलिस के वीर शहीद जवानों की स्मृति में मनाए जाने वाले पुलिस स्मृति दिवस पर वरिष्ठ समाजसेवी मुशरफ ने वीर शहीदों की याद में दो मिनट मौन रहकर नमन किया। कर्तव्य पथ पर प्राणोत्सर्ग करने वाले पुलिस के वीर शहीदों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्होंने कहा,- पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर आज हम सभी देश के समस्त शहीद पुलिसजन को श्रद्धांजलि अर्पित हैं, जिन्होंने समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए प्राणों का बलिदान देकर अप्रतिम कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया है। हमें पुलिस के जवानों व अधिकारियों के बलिदान को हमेशा याद करते हुए अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए। इन वीर जवानों का राष्ट्र प्रेम, समर्पित भाव और प्राणों का बलिदान भावी पीढ़ी को भी कर्तव्यपथ पर निर्भीकता से अग्रसर होने की प्रेरणा देता रहेगा। हमें पुलिस के इन वीर जवानों पर गर्व है।

उन्होंने कहा,- यह दिन उन शहीद पुलिसकर्मियों की याद में समर्पित है, जिन्होंने अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए प्राणों की आहुति दी। पुलिस स्मृति दिवस का आयोजन न केवल उन बहादुर पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि देने के लिए है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि पुलिस का कार्य समाज में सुरक्षा और शांति बनाए रखना है। हमारी पुलिस बल समाज की सुरक्षा के लिए दिन-रात काम कर रही है। हमें उनकी बहादुरी को हमेशा याद रखना चाहिए।हमारे पुलिस के सभी सदस्य पूरी ईमानदारी, कर्तव्य परायणता तथा जनसेवा की भावना से कार्य करते हुए, देश की जनता के मन में सुरक्षा की भावना को और अधिक सुदृढ़ करने में सहयोग करते हैं।

उन्होंने आगे कहा,- पुलिस कर्मियों का यह सर्वोच्च बलिदान हमें निरन्तर कर्तव्य पथ पर पूर्ण निष्ठा, मनोयोग एवं दायित्व बोध के साथ आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा देता रहेगा। हमारे पुलिसजन ने अत्यन्त कठिन परिस्थितियों में भी रात-दिन अपने कर्तव्यों को सर्वोपरि मानकर अपराधों पर नियंत्रण करने, कानून व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त रखने, सामाजिक सौहार्द स्थापित करने एवं विशेषकर महिलाओं की सुरक्षा करने के लिए किये गये प्रयास में सराहनीय भूमिका निभाई है। देश में पुलिस बल का उल्लेखनीय योगदान रहा है। जो पुलिस अधिकारी व कर्मचारी अपने पद की जिम्मेदारी व अपनी कर्तव्य परायणता के चलते अपनी कुर्वानी दी है। हम सब के लिए प्रेरणास्त्रोत है। आज शहादत स्मृति दिवस पर हम सभी उन्हें नमन कर सच्ची श्रदांजलि अर्पित करते हैं।

समाजसेवीयों ने नमन कर दी शहीद पुलिस के जवानों व अधिकारियों को श्रद्धांजलि

संजय साग़र सिंह, आगरा

देश के केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल के 10 वीर जवानों ने 21 अक्टूबर, 1959 को भारत की उत्तरी सीमा लद्दाख के हिमाच्छादित जनहीन क्षेत्र में चीनी सैनिकों के कपटपूर्ण किये गये हमले को निष्प्रभावी कर अपने प्राणों की आहुति दी थी। सभी वीर शहीद जवानों की याद में पुलिस स्मृति दिवस हर साल 21 अक्तूबर को मनाया जाता है, जो अपने कर्तव्य के लिए शहीद हो गए हैं। यह आयोजन उनकी शहादत को याद करने और परिवारों को सम्मान देने का अवसर प्रदान करता है।

हमें, पुलिस के बलिदान और बहादुरी को हमेशा याद करते हुए अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए : वरिष्ठ समाजसेवी डॉ उमेश शर्मा

पुलिस के वीर शहीद जवानों की स्मृति में मनाए जाने वाले पुलिस स्मृति दिवस पर वरिष्ठ समाजसेवी डॉ उमेश शर्मा ने वीर शहीदों की याद में दो मिनट मौन रहकर नमन किया। कर्तव्य पथ पर प्राणोत्सर्ग करने वाले पुलिस के वीर शहीदों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्होंने कहा,- पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर आज हम सभी देश के समस्त शहीद पुलिसजन को श्रद्धांजलि अर्पित हैं, जिन्होंने समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए प्राणों का बलिदान देकर अप्रतिम कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया है। हमें पुलिस के जवानों व अधिकारियों के बलिदान को हमेशा याद करते हुए अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए। इन वीर जवानों का राष्ट्र प्रेम, समर्पित भाव और प्राणों का बलिदान भावी पीढ़ी को भी कर्तव्यपथ पर निर्भीकता से अग्रसर होने की प्रेरणा देता रहेगा। हमें पुलिस के इन वीर जवानों पर गर्व है।

वीर जवानों का राष्ट्र प्रेम, समर्पित भाव और प्राणों का बलिदान भावी पीढ़ी को भी कर्तव्यपथ पर निर्भीकता से अग्रसर होने की प्रेरणा देता रहेगा : वरिष्ठ समाजसेवी अरविन्द पुष्कर एडवोकेट

वरिष्ठ समाजसेवी अरविन्द पुष्कर एडवोकेट ने कहा,- यह दिन उन शहीद पुलिसकर्मियों की याद में समर्पित है, जिन्होंने अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए प्राणों की आहुति दी। पुलिस स्मृति दिवस का आयोजन न केवल उन बहादुर पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि देने के लिए है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि पुलिस का कार्य समाज में सुरक्षा और शांति बनाए रखना है। हमारी पुलिस बल समाज की सुरक्षा के लिए दिन-रात काम कर रही है। हमें उनकी बहादुरी को हमेशा याद रखना चाहिए। हमारे पुलिस के सभी सदस्य पूरी ईमानदारी, कर्तव्य परायणता तथा जनसेवा की भावना से कार्य करते हुए, देश की जनता के मन में सुरक्षा की भावना को और अधिक सुदृढ़ करने में सहयोग करते हैं। आज शहादत स्मृति दिवस पर, समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए अपने प्राणों का बलिदान देकर अप्रतिम कर्तव्यपरायणता का परिचय देने वाले सभी पुलिसकर्मियों को नमन।

हमें, समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए प्राणों का बलिदान देने वाले पुलिस के इन वीर जवानों पर गर्व हैं : समाजसेवी पंकज जैन

समाजसेवी पंकज जैन ने आगे कहा,- पुलिस कर्मियों का यह सर्वोच्च बलिदान हमें निरन्तर कर्तव्य पथ पर पूर्ण निष्ठा, मनोयोग एवं दायित्व बोध के साथ आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा देता रहेगा। हमारे पुलिसजन ने अत्यन्त कठिन परिस्थितियों में भी रात-दिन अपने कर्तव्यों को सर्वोपरि मानकर अपराधों पर नियंत्रण करने, कानून व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त रखने, सामाजिक सौहार्द स्थापित करने एवं विशेषकर महिलाओं की सुरक्षा करने के लिए किये गये प्रयास में सराहनीय भूमिका निभाई है। देश में पुलिस बल का उल्लेखनीय योगदान रहा है। जो पुलिस अधिकारी व कर्मचारी अपने पद की जिम्मेदारी व अपनी कर्तव्य परायणता के चलते अपनी कुर्वानी दी है। हम सब के लिए प्रेरणास्त्रोत है। आज शहादत स्मृति दिवस पर हम सभी उन्हें नमन कर सच्ची श्रदांजलि अर्पित करते हैं।

देशसेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले पुलिसकर्मियों के लिए राष्ट्र कृतज्ञ : फ़िल्मि निर्माता सावन चौहान

राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सपूतों को नमन करते हुए फ़िल्मि निर्माता सावन चौहान ने कहा,- हमारे पुलिस के जवान विकट परिस्थितियों में अपने कर्तव्य निष्पादन करने में पूर्णतया सक्षम है। नागरिकों का विश्वास जीतकर पुलिस सदैव उनकी अपेक्षाओं पर खरी उतरी है। आज सम्पूर्ण राष्ट्र उन जवानों के प्रति कृतज्ञ है, जिन्होंने हमारे देश को सुरक्षित रखने के लिए प्राण न्यौछावर किए। जवानों ने राष्ट्र हित को सर्वोपरी माना हैं। देश की स्वतन्त्रता व अखण्डता को कायम रखने के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। देश की स्वतन्त्रता व अखण्डता एवं देशसेवा में सर्वोच्च बलिदान एवं अपने प्राणों की आहुति देने वाले पुलिसकर्मियों के लिए राष्ट्र सदैव कृतज्ञ रहेगा। कर्तव्य पथ पर प्राणोत्सर्ग करने वाले पुलिस के वीर शहीदों को विनम्र श्रद्धांजलि।

पीयूष मिश्रा ने बल्लिमारन बैंड संग 'उड़नखटोला' अंतर्राष्ट्रीय टूअर से उठाया पर्दा

सुषमा रानी

एक उम्दा कलाकार के रूप में अपनी पहचान रखने वाले पीयूष मिश्रा एक हरफ़नमौला किस्म की शख़्सियत हैं जिनके हुनर का कोई सानी नहीं है. वो ऐसे लेखक, गीतकार, संगीतकार और अदाकार हैं जो उम्र और कला संबंधी किसी भी तरह की बंदिशों को नहीं मानते हैं. ऐसे में पीयूष मिश्रा ने अपने बैंड बल्लिमारन के साथ एक अंतर्राष्ट्रीय टूअर 'उड़नखटोला' का ऐलान एक स्पेशल कर्टन रेंज़र इवेंट के ज़रिए किया. इस विशेष कार्यक्रम का आयोजन सोमवार को नई दिल्ली के बीकानेर हाउस में किया गया था.

उल्लेखनीय है कि पीयूष मिश्रा और उनका बैंड बल्लिमारन एक विशेष 'उड़नखटोला' टूअर बस में सवार होकर वेन्यू पर पहुंचे थे. यह बस औचक रूप से संगीत प्रस्तुतियां करने, गहन विचार-विमर्श करने और टूअर से संबंधी बैंड के संगीतमय सफ़र से जुड़े किस्सों को सुनाने का एक बढ़िया ज़रिया है. इसके बाद दिग्गज कलाकार के रूप में पीयूष मिश्रा के साथ एक विचारोत्तक वार्ता का आयोजन किया गया जिसमें उन्होंने अपने दिल की बात बयां करते हुए अपनी कला, अपनी लोकप्रियता और अपने करियर के बारे में विस्तार से बातचीत की.

अपने संगीत के ज़रिए पुरानी पीढ़ी के साथ-साथ आज की युवा पीढ़ी का दिल जीतने वाले पीयूष मिश्रा ने कहा कि 62 साल की उम्र में एक रॉकस्टार के रूप में मशहूर होना कोई आम बात नहीं है. वे कहते हैं, ₹मुझ जैसे 62 साल के शख़्स को लोग रॉकस्टर बुलाते हैं लेकिन अगर मैं ईमानदारी के साथ कहूं तो मैं सिर्फ़ काम और रचनात्मकता चीज़ें करना चाहता हूं. इस दुनिया का मुझ पर जो क़र्ज़ हैं, मैं अपने काम के ज़रिए उस क़र्ज़ को उतारने की ख़्वाहिश रखता हूं. मैं कामयाबी के फेर में नहीं पड़ना चाहता हूं. मैं इस उम्र में अपना डेब्यू एलबम लॉन्च करने जा रहा हूं और साथ ही इस अंतर्राष्ट्रीय टूअर का हिस्सा हूं जो काम के प्रति मेरी मेहनत और लगन को दर्शाता है.₹

देश भर में बेहद लोकप्रिय यह बैंड नवंबर में अपने 'उड़नखटोला' टूअर की शुरुआत करने जा रहा है जिसके ज़रिए बैंड अपनी अद्भुत संगीतमयी प्रस्तुतियों को देश के विभिन्न शहरों में ले जाएंगे. इसके बाद यह बैंड कनाडा, अमेरिका और यूके जैसे देशों में भी परफॉर्म करेगा. उल्लेखनीय है कि इस टूअर के अंत में पीयूष मिश्रा 'उड़नखटोला' नाम से ही अपने डेब्यू एलबम को भी लॉन्च करेंगे.

इस टूअर के क्यूरेटर और तम्बू एंटरटेनमेंट के संस्थापक व सीईओ राहुल गांधी का कहना है कि बल्लिमारन बैंड की सोच के पीछे हमेशा से दर्शकों के सामने कुछ अलग और अनूठे तरह के अनुभवों पेश करना रहा है.

राहुल गांधी ने कहा, ₹इस टूअर का नाम अपने आप में पीयूष मिश्रा और उनकी उत्कृष्ट सोच के प्रति आदर और श्रद्धांजलि का भाव दर्शाता है. उनके पास एक ऐसा मष्तिष्क है जो फ़्लाइंग मशीन की तरह उड़ता रहता है और ज़िंदगी की वास्तविकता को नायाब तरीके से लोगों के सामने पेश करता है. वे हमेशा से कुछ नया करने के लिए आतुर दिखाई देते हैं और अपनी कला के साथ नये-नये प्रयोग करने से भी नहीं कतराते हैं. यह टूअर उनकी इन्हीं विशिष्टताओं, उनकी अद्भुत कला और अविस्मरणीय यादों का अक्स प्रस्तुत करता है.₹

उल्लेखनीय है कि 'उड़नखटोला' टूअर के माध्यम से देश भर के 15 शहरों में कंसर्ट्स का आयोजन किया जा रहा है और इसकी शुरुआत 9 नवंबर को कोलकाता में होगी. कोलकाता के बाद अहमदाबाद, वडोदरा, इंदौर, भोपाल, पुणे, ठाणे, रायपुर, हैदराबाद, बंगलुरु, गुरुग्राम, चंडीगढ़, लखनऊ और कानपुर जैसे शहरों में कंसर्ट्स का आयोजन किया जा रहा है. इसे तम्बू एंटरटेनमेंट द्वारा क्यूरेट और थिंकिंग हैट्स के साथ साझा रूप से निर्मित किया गया है.

उल्लेखनीय है कि 'उड़नखटोला' टूअर का मकसद संगीत से कहीं बड़ा है. बैंड ने अपनी नायाब पहल 'प्ले फॉर पाव्स' के लिए स्थानीय एनजीओ के साथ साझेदारी की है. इस अनूठी पहल का लक्ष्य है कि यह बैंड जिस किसी भी शहर में परफॉर्म करने जा रहा हो, वहां स्थानीय स्तर पर आवारा कुत्तों की अच्छी तरीके से देखभाल की जा सके. उल्लेखनीय है कि इस तरह के संगठनों के साथ साझेदारी कर बैंड देश भर के आवारा कुत्तों को आश्रय देने, उन्हें स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने और उन्हें भोजन उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है.

ग़ौरतलब है कि बल्लिमारन अपने आप में संगीत का एक बेहद लोकप्रिय जॉनर रहा है और इसकी अपनी एक ख़ास शैली भी है. इसे मशहूर करने में पीयूष मिश्रा के गीतों का भी ख़ासा योगदान रहा है. ऐसे में अब बड़ी तादाद में लोग इसे पसंद भी कर रहे हैं. बैंड का अलहदा किस्म का संगीत, तंज कसने की विरासती कला 'आरंभ', 'हुस्ना' और 'घर' जैसे गानों के रूप में देखी जा सकती है।

तूफान 'दाना' अंक डरो मत; धैर्य से मुकाबला: मनमोहन सामल

भुवनेश्वर : भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में बना निम्न दबाव 'दाना' 24 तारीख की आधी रात को भयंकर तूफान के रूप में ओडिशा के तट को पार करने की संभावना है। इस समय हवा की गति 100 से 120 किमी प्रति घंटा है और भारी बारिश की आशंका है। बालासोर, भद्रक, केंद्रपाड़ा, जगतसिंहपुर, खुर्दा, कटक, पुरी, नयागढ़, क्योंझर, मयूरभंज सहित राज्य के अन्य जिले चक्रवात दाना से प्रभावित होंगे। इस समय प्रदेश अध्यक्ष श्री मनमोहन सामल ने ओडिशा के लोगों को बिना डरे धैर्य के साथ तूफान की स्थिति से निपटने की सलाह दी है।

श्री सामल ने कहा, संभावित तूफान की स्थिति से सफलतापूर्वक निपटने के लिए ओडिशा सरकार द्वारा विभिन्न कदम उठाए गए हैं। राज्य सरकार ने जहां तूफान के दौरान शून्य जनहानि का लक्ष्य रखा है, वहीं कार्यकर्ताओं से सेवा, सहायता, राहत कार्य में प्रशासन और सरकार को पूरा सहयोग देने का आह्वान किया है। कार्यकर्ता तूफान से पहले लोगों और पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने, सूखा और पका हुआ भोजन वितरित करने, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और बीमारों को उचित चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने के काम में प्रशासन और सरकार की सहायता करेंगे। वहीं, प्रदेश अध्यक्ष श्री सामल ने भाजपा कार्यकर्ताओं से तूफान के बाद जीर्णोद्धार कार्य में जुटने का आह्वान किया है।

-मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा

भा.वि.परिषद अन्नपूर्णा शाखा द्वारा किया गया दीपावली मिलन एवं डांडिया नाइट का भव्य आयोजन

आगरा। भारत विकास परिषद अन्नपूर्णा शाखा द्वारा दीपावली मिलन एवं डांडिया नाइट का भव्य आयोजन मुगल पैराडाइज गार्डन फतेहाबाद रोड पर किया गया। कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत क्षेत्रीय अध्यक्ष डॉ तरुण शर्मा ,राष्ट्रीय परियोजना अध्यक्ष डॉ केशव दत्त गुप्ता, राष्ट्रीय परियोजना सचिव एडवोकेट बसंत गुप्ता, क्षेत्रीय मंत्री सोमदेव सारस्वत, प्रांतीय संरक्षक विनय सिंघल, वरिष्ठ मार्गदर्शक एडवोकेट विनय सिंह, वीरेंद्र सिंघल, रवि शिवहरे, अंजू सिंघल, प्रांतीय अध्यक्ष उमेश बंसल, शाखा संरक्षक नेमकुमार जैन, धर्मगोपाल मित्तल एवं शाखा अध्यक्ष विनय गोयल द्वारा मां भारती एवं स्वामी विवेकानंद के सम्मुख दीप प्रजनन कर की गई।

कार्यक्रम में आगरा के प्रमुख गायक गुड्डू भारती एवं कल्पना ठाकुर द्वारा उत्कृष्ट गायन प्रस्तुति कार्यक्रम के सभी आगुंतोंको को नृत्य करने के लिए मजबूर कर दिया एवं संगीत की विभिन्न धुनों पर अन्नपूर्णा परिवार सदस्यों एवं अतिथियों द्वारा डांडिया नृत्य कर परम आनंद प्राप्त किया।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय मंत्री प्रमोद सिंघल, कोषाध्यक्ष सीए विवेक अग्रवाल, उपाध्यक्ष टीटू गोयल, मुकेश मित्तल, महिला संयोजिका नीलमा शर्मा, जितेंद्र मित्तल, अंबाप्रसाद गर्ग, मनीष जैन, दीपा गर्ग, डॉ नरेंद्र गुप्ता, डॉ अमित सिंघल, प्रशांत अग्रवाल, समाजसेवी चंद्रवीर सिंह, अखिलेश भटनागर, जितेंद्र बंसल, अजय गर्ग, जितेंद्र बंसल, मनोज अग्रवाल (पोली भाई), जतिन अग्रवाल, कुलभूषण गुप्ता, नितिन अग्रवाल, राजेश गर्ग, पूनम जैन, हेमंत सिंघल, विनोद सिंघल, चंद्र मोहन राठौर, मनोज दीक्षित, अमरीश बंसल, रामू गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023